आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650

इंदौर, सोमवार 16 फरवरी 2026

■ वर्ष : 5 ■ अंक : 95
■ पृष्ठ : 6 ■ मूल्य : 2

dainikindoresanket.com
dainikindoresanket
dainikindoresanket
dainikindoresanket24@gmail.com

सांध्य दैनिक

इंदौर संकेत

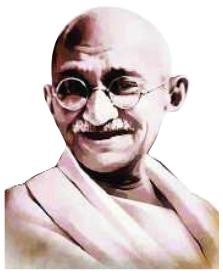

राष्ट्रपिता को नमन...

अंदर के पन्नों पर...

खनिज विभाग की कार्यवाही से अवैध खनन माफियाओ...

पेज-2

फिल्म 'सूबेदार' का 'लल्ला' गीत रिलीज

पेज-5

होली बाद आईएएस-आईपीएस के तबादले

पेज-6

न्यूज ब्रीफ

- अहमदाबाद के कई स्कूलों बम से उड़ाने की धमकी... इलाके में मचा हड़कंप
- ग्रेटर नोएडा : महाशिवरात्रि पर कुट्टू का आटा खाने से बिगड़ी 40 से ज्यादा की तबीयत
- आंध्र प्रदेश : अमरावती पहुंचे बिल गेट्स, राज्य मंत्री नारा लोकेश ने गन्नावरम एयरपोर्ट पर किया स्वागत
- लखनऊ : आज विधान परिषद को संबोधन करेंगे सीएम योगी
- हमारा देश विज्ञान-टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में आगे बढ़ रहा है... इसका प्रमाण इंडिया एआई इंपैक्ट समिट : पीएम मोदी
- बंगाल : ईसी ने 7 अधिकारियों को सस्पेंड किया
- 'न ट्रेड जानते हैं... ना टेक्नोलॉजी समझते हैं', राहुल गांधी पर अश्विनी वैष्णव का तंज
- 'ईरान का परमाणु ढांचा पूरी तरह खत्म किया जाना चाहिए', इजरायली पीएम नेतन्याहू की शर्त
- 19 फरवरी को 'बोर्ड ऑफ पीस' की बैठक, गाजा के लिए 5 अरब डॉलर से ज्यादा का वादा : स्र राष्ट्रपति ट्रंप
- कर्नाटक स्टेट रोड ट्रांसपोर्ट कॉर्पोरेशन का नया लगेज चार्ज आज से लागू होगा

दिग्गजों के समर्थक हुए दरकिनार

चौकसे की 51 सदस्यीय टीम की सूची पहुंची भोपाल

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● शहर कांग्रेस की नई टीम अगले कुछ दिनों में सामने आ सकती हैं, इसको लेकर शहर अध्यक्ष चिंटू चौकसे ने संभावित नामों की सूची प्रदेश कांग्रेस कमेटी को सौंप दी हैं। चिंटू चौकसे ने लगभग एक पखवाड़े पूर्व ही लगभग 300 से अधिक नामों की सूची भेजी थी, जिसको लेकर भोपाल से आपत्ति जताई जाने पर नामों को काट-छांट कर प्रदेश कांग्रेस की मंशा अनुसार 51 तक लाने की मशक्कत की, किन्तु इसके चलते अनेक दिग्गज नेताओं के समर्थकों को दरकिनार कर दिया गया है। हालांकि अभी सूची सामने नहीं आई है, लेकिन सूत्रों से खबर के अनुसार अनेक नेताओं को इसकी भनक लगते ही बवाल मचना शुरू हो सकता है।

टीम चिंटू में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी और चिंटू के समर्थकों का ही बोलबाला रहेगा, जबकि कमलनाथ, दिग्विजय सिंह, अरूण यादव आदि के समर्थक नुकसान में रहेंगे। इन तीनों प्रमुख नेताओं ने अपने कुछ समर्थकों के नाम सीधे चिंटू तक पहुंचाएं हैं, लेकिन जीतू के संरक्षण से चिंटू ने इनमे जमकर कांट-छांट की हैं। चूंकि दिल्ली से कांग्रेस हाईकमान के प्रदेश कांग्रेस को स्पष्ट निर्देश हैं कि जिला कांग्रेस कमेटियों में 51 से अधिक नाम नहीं होना चाहिए, और इसी को आधार बनाकर चिंटू ने इन तीनों नेताओं के कई समर्थकों को ड्राप किया हैं, और पर्दे के पीछे से इसमें उन्हें जीतू का संरक्षण रहा हैं। वैसे नुकसान में दीपू यादव, पिंटू जोशी, सत्यनारायण पटेल, रीना बौरासी, सुरजीत चड्ढा आदि भी रहने वाले हैं, जबकि सज्जन वर्मा, अश्विन जोशी, शोभा ओझा के कई समर्थकों को पदाधिकारी बनाया जा रहा हैं।

अपने समर्थकों के लिए पहुंचे भोपाल-दिल्ली

- *टीम चिंटू चौकसे में कुछ पार्षद व पार्षद पतियों को भी जगह मिल रही हैं, चिंटू ने खुद इनमें दिलचस्पी दिखाई हैं, इनमें मुस्लिम चेहरे भी शामिल हैं।*
- *अपने कई चुनिंदा समर्थकों को स्थान नहीं मिलने से इंदौर के कई नेताओं ने भोपाल-दिल्ली भी संपर्क किया है। इसमें प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी, सत्यनारायण पटेल, कांग्रेस महासचिव वेणुगोपाल तक भी दिग्गज नेताओं ने संपर्क साधा।*
- *शहर में इन दिनों एक नया राजनीतिक गठबंधन नजर आ रहा है, जिसमें पूर्व नगर प्रशासन मंत्री सज्जन वर्मा और प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी की गलबहियां जिसके चलते सज्जन वर्मा के समर्थकों को महत्व दिए जाने की पूरी-पूरी संभावना नजर आ रही है।*
- *संगठन सृजन में हालांकि स्पष्ट किया है कि शहर और जिले की टीम छोटी बनाई जाए, लेकिन जिस तरह से कांग्रेस में पदों की बंदरबांट की जाती है, उसको लेकर टीमों की सीमाएं बांधने में नेताओं को अच्छी-खासी मशक्कत करना पड़ रही है।*

पुराने नेताओं को पुनर्वास की उम्मीद

संगठन में बदलाव से नेताओं के मुरझाए चेहरे खिले

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● मप्र भाजपा संगठन में हुए बदलाव के बाद पिछले 5-6 साल से हाशिए पर चल रहे वरिष्ठ नेताओं की उम्मीदें उछाल मारने लगी हैं। इनमें पूर्व सांसद, पूर्व विधायक सहित संगठन के पुराने पदाधिकारी भी शामिल हैं। प्रदेश के विभिन्न जिलों से मुख्यालय आने वाले ऐसे नेताओं की सक्रियता एकाएक बढ़ गई है। सत्ता-संगठन ने हाल ही में इनमें से कुछ लोगों को जिला प्रभारी भी बना दिया है।

प्रदेश भाजपा में लगातार उपेक्षा के चलते कई वरिष्ठ नेता ऐसे भी रहे जिन्होंने महीनों तक भोपाल पार्टी मुख्यालय में आमद ही नहीं दी। हताश होकर कुछ नेताओं ने तो बयानों में अपना आक्रोश तक दिखा दिया। पार्टी दफ्तर में अब ऐसे नेताओं की आमद-रफ्त एकाएक बढ़ गई है।

भोपाल मध्य से विधानसभा चुनाव लड़कर पराजित हुए पूर्व विधायक ध्रुवनारायण सिंह भी पार्टी में लंबे समय से जवाबदारी तलाश रहे हैं। सियासी उम्मीदों के साथ अब पार्टी में उनकी सक्रियता भी बढ़ गई है।

इनकी फेरियां भी बढ़ीं-भाजपा मुख्यालय में हर दिन पुराने नेताओं की आमद बढ़ने लगी है। पूर्व सांसद आलोक संजर, पूर्व विधायक जसवंत सिंह हाड़ा, शरद जैन, भानुराणा, चेतन सिंह, टीकमगढ़ के जुझारू नेता रहे केके कठल, प्रवीण नापित और जाहर सिंह सहित बड़ी संख्या में जिलों के ऐसे नेता भी हैं जिनकी मुख्यालय में फेरियां बढ़ गई है।

इन नेताओं की बढ़ी सक्रियता

- ***दीपक विजयवर्गीय :*** *पार्टी के वरिष्ठ नेता विजयवर्गीय पूर्व में मुख्य प्रवक्ता व प्रदेश मीडिया प्रभारी रहे। पिछले 5 साल लगातार संगठन में अपने लिए काम मांगते रहे। भाजपा मुख्यालय में अब उनकी मौजूदगी भी दिखने लगी है।*
- ***संजय नागायच :*** *संघ व भाजपा संगठन में वर्षों तक सक्रिय रहे लेकिन पिछले 4-5 साल से पार्टी में जवाबदारी तलाशते रहे। नए प्रदेश अध्यक्ष ने उन्हें भी व्यवस्था से जोड़ा है।*
- ***उमेश शुक्ला :*** *छतरपुर अंचल के पुराने दिग्गज और पूर्व विधायक शुक्ला भी लंबे अंतराल के बाद सक्रिय हो गए हैं। हाल ही में संगठन ने उन्हें जिले का प्रभारी भी बना दिया है। शुक्ला बुंदेलखंड विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष भी रहें हैं।*
- ***पुष्पेंद्र पाठक (गुडन):*** *बिजावर के पूर्व विधायक हैं। उपेक्षा के चलते उन्होंने पूर्व अध्यक्ष वीडी शर्मा और संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा के प्रति अपना आक्रोश सार्वजनिक तक कर दिया था।*
- ***प्रकाश मीरचंदानी :*** *पांच साल पहले तक पार्टी के पैनेलिस्ट / प्रवक्ता और सक्रिय रहे मीरचंदानी भी निजाम बदलने के बाद मुख्यालय में एकाएक सक्रिय हो गए हैं।*

बीए, बीकॉम, बीएससी के परीक्षा फॉर्म जमा करने की प्रक्रिया अंतिम चरण में

परीक्षा फॉर्म जमा करने में तकनीकी परेशानी में उलझ रहे छात्र

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● विश्वविद्यालय की ओर से बीए, बीकॉम, बीएससी सहित अन्य पाठ्यक्रमों की यूजी फर्स्ट इयर की परीक्षा फॉर्म जमा करने की प्रक्रिया अंतिम चरण में है। मेजर विषय दो के बजाय तीन और माइनर एक के बजाय दो होने के कारण कई महाविद्यालय और छात्र तकनीकी परेशानी में उलझ गए। दरअसल पहली बार मल्टी डिसिप्लिनिरी सब्जेक्ट भी शुरू हुए हैं। छात्रों को वोकेशनल व इसमें से एक-एक विषय चुनना है, लेकिन कई छात्रों ने वोकेशनल में से ही दोनों विषयों को चुन लिया। अब महाविद्यालयों को विश्वविद्यालय ने न केवल पूरी गाइडलाइन भेजी है, बल्कि फर्स्ट इयर के लिए परीक्षा फॉर्म की तारीख भी 28 फरवरी तक बढ़ा दी है।

एक्जाम फॉर्म जमा करने में आ रही परेशानी : विश्वविद्यालय की परीक्षा देने वाले छात्रों को इस बार एक्जाम फॉर्म जमा करने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। दरअसल इस बार एक्जाम पैटर्न में कुछ बदलाव हुआ है। फाउंडेशन में दो ही विषय हिंदी व अंग्रेजी हैं। योग व वुमन इंपॉवरमेंट जैसे विषय खत्म कर दिए हैं। इनके पेपर अब एक साथ, एक ही दिन नहीं होंगे। दरअसल शिक्षा विभाग ने नई एजुकेशन पॉलिसी में पांचवें साल फर्स्ट इयर से यह नए बदलाव लागू किए हैं। मल्टीडिसिप्लनरी व वैल्यू एडेड विषय जुड़े हैं। ऐसे में छात्रों को फॉर्म भरते समय वोकेशनल के साथ ही इन दोनों विषयों को भी समझना जरुरी है। एक्सपर्ट एस.एस. रघुवंशी का कहना हैं इस बार परीक्षा में छात्रों को 9 के बजाय 10 पेपर देना रहेंगे। साथ ही यूजी फर्स्ट इयर के छात्रों को जो वैल्यू एडेड विषय दिया है, वह भी खास है। इस बार ओपन इलेक्टिव की जगह एमडीसी (मल्टी डिसिप्लीनरी कोर्स) है। इसमें एक विषय अनिवार्य चुनना है।

अलग से परीक्षा का आयोजन नहीं: बीए फर्स्ट इयर एनईपी के नियमित, स्वाध्यायी के छात्रों को लेकर परीक्षा नियंत्रक ने स्पष्ट किया है कि अपने पाठ्यक्रम के अलावा दूसरे पाठ्यक्रम से जेनेरिक इलेक्टिव (सामान्य वैकल्पिक) विषय का चुनाव करते हैं तो उसे संबंधित पाठ्यक्रम के टाइम टेबल के अनुसार ही परीक्षा में शामिल होना होगा, इसके लिए अलग से परीक्षा का आयोजन नहीं किया जाएगा। वेबसाइट पर जो टाइम टेबल जारी किया है उसमें यदि किसी विद्यार्थी का विषय नहीं दिया गया है या किसी भी अन्य समस्या के लिए महाविद्यालय के प्राचार्य से संपर्क करें।

जून-जुलाई तक जारी कर देंगे सभी रिजल्ट : प्रबंधन के अनुसार मार्च से जून के बीच में होने वाली परीक्षाओं के रिजल्ट जून-जुलाई तक जारी कर दिए जाएंगे। ऐसे विद्यार्थी जिनकी परीक्षा मार्च में ही खत्म हो जाएगी उनके रिजल्ट मई तक देने की योजना है। दरअसल विश्वविद्यालय परीक्षा के साथ-साथ रिजल्ट देने पर भी ध्यान दे रहा है ताकि समय पर परीक्षा और रिजल्ट जारी कर दिए जाए।

चार से अधिक एटीकेटी वाले नहीं दे पाएंगे परीक्षा

विश्वविद्यालय की ओर से एमएससी पाठ्यक्रम की परीक्षा के पहले अपात्र और तय समयावधि के बाद शामिल होने वाले विद्यार्थियों के परीक्षा परिणाम शून्य किए जाने का निर्णय लिया गया है। एमएससी सीएस, आईटी, बायोटेक्नोलॉजी पाठ्यक्रम के दूसरे और चौथे सेमेस्टर की परीक्षा अप्रैल में प्रस्तावित है। परीक्षा नियंत्रक के अनुसार विद्यार्थी आवेदन पत्र प्रिंट आउट के साथ अपने पहले के सेमेस्टर की सभी अंकसूची की फोटोकॉपी आवश्यक रुप से संलग्न करें। परीक्षार्थी अगले सेमेस्टर की नियमित कक्षा में तब ही शामिल हो सकेगा जब उसकी समस्त सेमेस्टर मिलाकर एटीकेटी की संख्या चार या चार से कम होगी। एटीकेटी की संख्या चार से अधिक होने पर छात्र परीक्षा में शामिल होने के लिए अपात्र रहेगा।

मध्यप्रदेश विधानसभा का बजट सत्र आज से

दैनिक इंदौर संकेत

भोपाल ● मध्य प्रदेश विधानसभा के बजट सत्र की आज सोमवार से शुरुआत हो रही है। विधानसभा की कार्रवाई के शुरुआत में वंदे मातरम् गायन होगा। इसके बाद राज्यपाल मंगू भाई पटेल का अभिभाषण होगा। अपने अभिभाषण में राज्यपाल सरकार की विकास गाथा और जन कल्याणकारी योजनाओं के कारण आए बदलावों के बारे में बताएंगे। संकल्प पत्र 2023 में किए गए वादों पर सरकार ने कितना काम किया और आगामी लक्ष्यों के बारे में भी वे बताएंगे। राज्यपाल के अभिभाषण के बाद विभिन्न हस्तियों, नेताओं के निधन का उल्लेख करते हुए पक्ष-विपक्ष के सदस्य अपने विचार रखेंगे। 6 मार्च तक चलेगा सत्र सत्र 16 फरवरी से 6 मार्च तक चलेगा। पहले दिन राज्यपाल का अभिभाषण और कृतज्ञता प्रस्ताव होगा। सत्र के लिए कुल 3478 प्रश्नों की विधानसभा को सूचनाएं, 236 ध्यानाकर्षण, 10 स्थगन प्रस्ताव, 41 अशासकीय संकल्प पेश होंगे।

राजस्व का खेल | शराब के नए ठेके होने से पहले भोपाल सहित कई शहरों में 50% तक डिस्काउंट

सिंडिकेट और सिस्टम सवालों के घेरे में, आबकारी नीति का इंतजार

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● राजधानी भोपाल सहित प्रदेश के कई शहरों में जहां दो हफ्ते पहले तक महंगी शराब बिकने को लेकर शिकायतें सामने आ रही थीं, वहीं अब इस वित्तीय वर्ष में शराब ठेकों की अवधि समाप्त होने के पहले प्रदेश में सस्ती शराब की खुली बिक्री शुरू हो गई है। भोपाल, देवास, नर्मदापुरम सहित एक दर्जन से अधिक शहरों में शराब 30 से 50 फीसदी तक छूट पर बेची जा रही है।

भोपाल में एक सिंडीकेट द्वारा शराब पर 50 प्रतिशत तक डिस्काउंट दिया जा रहा है। कई दुकानों पर शराब लागत मूल्य पर या एक बोतल के साथ एक फ्री

बिक रही है। 31 मार्च तक ठेके खत्म होने से एक सप्ताह पहले तक सस्ती शराब बिकती थी, लेकिन इस बार दो माह पहले से भावों में भारी गिरावट कर दी गई है। आबकारी के जानकारों का कहना है कि लाइसेंस समाप्त होने से पहले सस्ती शराब की यह बिक्री भले ही कागजों में सरकारी राजस्व को नुकसान नहीं पहुंचा रही हो, लेकिन यह आबकारी नीति की साख, निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा और सामाजिक संतुलन तीनों को कमजोर कर रही है।

नीति साफ, अमल धुंधला : आबकारी नीति 2025-26 में स्पष्ट लिखा है कि शराब की बिक्री एमआरपी से अधिक और एमएसपी से कम दर पर नहीं की जा सकती। सस्ती शराब के पीछे असली वजह आबकारी नीति का वही प्रावधान है। राजधानी के एक ठेकेदार के मुताबिक, उन्हें हर माह कम से कम 85 प्रतिशत स्टॉक उठाना अनिवार्य है। तय मात्रा नहीं उठाने पर भारी पेनॉल्टी लगती है।

14 ठेकेदारों पर प्रकरण : एमआरपी या एमएसपी से कम दर पर शराब बिक्री पर कार्रवाई करने का अधिकार आबकारी विभाग के पास है। भोपाल में ही मौजूदा वित्तीय वर्ष में 14 ठेकेदारों पर प्रकरण दर्ज किए गए हैं। इनमें 13 में एमआरपी से ज्यादा और एक में एमएसपी से कम पर शराब बेची जा रही थी। इनमें कार्रवाई भी की गई है।

किसी दलित नेता को राज्यसभा में भेज सकती है कांग्रेस!

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● प्रदेश में इसी साल जून में राज्यसभा की तीन सीटें खाली हो रही हैं। जिनके लिए चुनाव आयोग अगले दो महीने के भीतर निर्वाचन प्रक्रिया शुरू कर सकता है। विधानसभा में विधायकों की संख्या बल के हिसाब से रिक्त होने वाली सीटों में से 1 कांग्रेस और 2 भाजपा के खाते में जाना हैं। कांग्रेस के राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह तीसरी बार राज्यसभा जाने से खुद ही इंकार कर चुके हैं। ऐसे में कांग्रेस मप्र से किसी अनुसूचित जाति या जनजाति वर्ग के नेता को राज्यसभा भेज सकती है। माना जा रहा है राज्यसभा न जाने के पीछे दिग्विजय सिंह की कुछ और ही मंशा है। कांग्रेस नेताओं का मानना है अगले विधानसभा चुनाव से पहले दिग्विजय सिंह मध्य प्रदेश कांग्रेस की बागडोर थाम सकते हैं। हालांकि राज्यसभा के लिए दावेदारों में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी का भी नाम है।

कांग्रेस अजा विभाग के अध्यक्ष पार्टी को पत्र भी लिख चुके हैं

पिछले महीने दिग्विजय सिंह द्वारा राज्यसभा नहीं जाने की घोषणा के साथ ही कांग्रेस के भीतर यह मांग उठ चुकी है कि इस बार अजा और अजजा वर्ग को राज्यसभा के लिए भेजा जाए। इसके लिए कांग्रेस अजा विभाग के अध्यक्ष प्रदीप अहिरवार पार्टी को पत्र भी लिख चुके हैं। चूंकि एक सीट के लिए फैसला होना है, इसलिए पार्टी में प्रत्याशी के नाम को लेकर कोई खास हलचल नहीं है। हालांकि पार्टी के उच्च सूत्र बताते हैं कि जिस तरह से कांग्रेस पार्टी मप्र में अजा और अजजा एजेंडे पर काम कर रही है, उसको लेकर हुए इसी वर्ग को मौका दिया जा सकता है। दावेदारों की दौड़ में पूर्व सांसद मीनाक्षी नटराजन का नाम भी है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता के अनुसार मौजूदा स्थिति में कांग्रेस के पास राज्यसभा के 3 सांसद हैं। इनमें अशोक सिंह, विवेक तन्खा और दिग्विजय सिंह हैं।

न्यूज ब्रीफ

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● दूल्हा राजा के रूप में श्रृंगार किया गया श्री हंस बिठाधीश्वर परम पूज्य महंत रामचंद्र दास जी महाराज के सानिध्य में महामंडलेश्वर भगवान दास महाराज के निर्देशन में आरती संपन्न हुई वी खिचड़ी का प्रसाद वितरण किया गया।

खजराना गणेश मंदिर में महाशिवरात्रि पर कलेक्टर ने किया पूजन-अर्चन

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने आज श्री खजराना गणेश मंदिर पहुंचकर विधि-विधान से पूजन-अर्चन किया तथा जिलेवासियों की सुख-समृद्धि एवं शांति की कामना की। इस अवसर पर इंदौर नगर निगम आयुक्त श्री क्षितिज सिंघल सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारी, मंदिर के पुजारीगण, समाजसेवी एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। मंदिर परिसर में भक्ति और श्रद्धा का विशेष वातावरण रहा। पूजन के पश्चात उपस्थित भक्तों को प्रसाद का वितरण भी किया गया। महाशिवरात्रि के अवसर पर मंदिर में विशेष सजावट की गई थी तथा दर्शनार्थियों की सुविधा के लिए प्रशासन द्वारा आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गईं।

'मेड इन इंडिया' पुस्तक का लोकार्पण

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● संदीप खन्ना और मनीष सभरवाल द्वारा लिखित मेड इन इंडिया तीन असाधारण यात्राओं को सामने रखती है—भारत के फार्मा उद्योग का उदय, ल्यूपिन की स्थापना और विकास, तथा उसके संस्थापक देशबंधु गुप्ता का प्रेरक जीवन। ये तीनों यात्राएँ मिलकर यह स्पष्ट करती हैं कि कैसे एक समय आयातित दवाओं पर पूरी तरह निर्भर देश आज 'दुनिया की फार्मेसी' बन गया। यह पुस्तक बताती है कि किस तरह कठिन परिस्थितियों में पला-बढ़ा, बिना किसी विशेषाधिकार या संरक्षण के जीवन शुरू करने वाला एक व्यक्ति, शुरुआती संघर्षों से प्रेरित होकर अदम्य भूख और जज़्बा विकसित करता है।

कॉइनस्विच ने 'क्रिप्टो मार्केट पल्स' लॉन्च करने के लिए ज़ी बिज़नेस के साथ साझेदारी की

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● भारत के सबसे बड़े क्रिप्टो ट्रेडिंग प्लेटफ़ॉर्म कॉइनस्विच ने आज भारत के अग्रणी हिंदी बिज़नेस न्यूज़ चैनल ज़ी बिज़नेस के साथ एक रणनीतिक साझेदारी की घोषणा की। इस साझेदारी के तहत 'क्रिप्टो मार्केट पल्स' नाम की एक विशेष पहल शुरू की जा रही है, जिसका उद्देश्य भारतीय दर्शकों के लिए क्रिप्टो की दुनिया को सरल और समझने योग्य बनाना है। यह सहयोग तेजी से विकसित हो रहे डिजिटल एसेट इकोसिस्टम की जटिलताओं को सरल बनाने और खुदरा निवेशकों को सूचित भागीदारी के लिए आवश्यक ज्ञान से सशक्त करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

मंत्री सिलावट ने देवगुराडिया गुटकेश्वर महादेव मंदिर मेले का किया शुभारंभ

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● महाशिवरात्रि पर्व के मौके पर जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट ने देवगुराडिया स्थित प्रसिद्ध गुटकेश्वर महादेव मंदिर में तीन दिवसीय मेले का शुभारंभ किया। इस अवसर पर सांसद शंकर लालवानी, विधायक मधु वर्मा, जनपद पंचायत अध्यक्ष विश्वजीतसिंह सिसौदिया, देवराजसिंह परिहार, रवि दुबे, जिला पंचायत सदस्य रामेश्वर चौहान सहित सैकडों धर्मप्रेमी गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

खनिज विभाग की कार्यवाही से अवैध खनन माफियाओ में मचा हड़कप

निलेश चौहान : 94250-77209

देपालपुर ● दैनिक इंदौर संकेत

कलेक्टर इंदौर के निर्देशन में खनिज विभाग द्वारा कार्रवाई करते हुए ग्राम बोरिया तहसील देपालपुर की निजी भूमि पर खनिज मिट्टी के अवैध उत्खनन पर कार्यवाही की गई, खनिज विभाग की इस कार्यवाही मैं अवैध उत्खनन करते हुए तीन जेसीबी मशीन व एक डंपर जप्त किए गये जांच कार्यवाही के दौरान पूछताछ करने पर उक्त मशीने अलग-अलग व्यक्तियों के नाम पर बताई गई इसमें एक जेसीबी मशीन जिसका क्रमांक MP09GF7426 है मालिक गोकुल चौधरी निवासी कलारिया के नाम पर बताई गई और दूसरी जेसीबी बिना नंबर लिखी गोकुल दरबार निवासी अहिरखेड़ी इंदौर हुआ एक डंपर मिट्टी भरते हुए जिसका क्रमांक MP09DW7126 व तीसरी जेसीबी मशीन जिसका क्रमांक MP09KD 8884 मालिक रमेश प्रजापति निवासी महेश नगर

इंदौर नामक व्यक्ति की बताई गई उक्त सभी मशीनों के द्वारा खनिज मिट्टी का उत्खनन बिना वैधानिक अनुमति के पाई गईं अवैध उत्खनन में संलिप्त पायी गईं सभी चारों मशीनों एवं डैम्पर वाहन को आगामी आदेश तक पुलिस थाना गांधीनगर प्की अभिरक्षा में खड़ा कराया गया प्रकरण में मध्य प्रदेश (अवैध खनन, परिवहन तथा भंडारण का निवारण) नियम 2022 के अंतर्गत अवैध खनन का प्रकरण दर्ज कर कलेक्टर न्यायालय में प्रस्तुत किया जायेगा

कार्यवाही आलोक अग्रवाल सहायक खनिज अधिकारी इंदौर द्वारा अपने अमले के साथ की गई।

अवैध खनन माफियाओ की लगातार शिकायत खनिज अधिकारी को मिल रही थी देपालपुर क्षेत्र में लगातार अवैध खनन का कार्य बिना परमिशन चल रहा जैसे ही अधिकारियों को अवैध खनन की खबर मिली अवैध खनन माफियो में हड़कम मच गया जानकारी में पता चला है कि आसपास चल रही कारोबारियों ने अपनी जेसीबी पोकलेन मशीनों को तत्काल बंद कर रवाना करवा दिया। सबसे ज्यादा अवैध खनन का कारोबार गर्मी के समय होता है काली मिट्टी के नाम पर मुरम निकलने का काम किया जाता है 3 फीट की परमिशन लेकर 30 फीट तक की खुदाई की जाती है सूत्र बताते हैं कि कहीं कारोबारियों के पास रॉयल्टी भी नहीं होती बिना रॉयल्टी के वह सप्लाई का काम करते हैं जिससे लाखों रुपए का सरकार को नुकसान होता है।

पिछले साल भी अवैध खनन की शिकायतें लगातार हुई थी जिसमें गोकलपुर,अटाहेड़ा कलमेर में बड़े पैमाने पर अवैध खनन हुआ था लेकिन जमीनी हकीकत पर कोई कार्यवाही नहीं की गई थी इस बार भी अवैध खनन कारोबारी अपनी अपनी सेटिंग जमाने में लगे हुए हैं कोई लिफाफे का उपयोग करेगा तो कोई नेतागिरी का लेकिन इस बार खनिज विभाग के अधिकारियों ने कमर कस ली है और बोरिया में कार्यवाही कर यह बता दिया है कि जो भी कारोबारी अवैध खनन का काम करेगा उसे बख्शा नहीं जाएगा खनिज विभाग की कार्यवाही से अवैध खनन माफिया सकते आ गए।

सहायक खनिज अधिकारी आलोक अग्रवाल ने बताया कि देपालपुर क्षेत्र से लगातार अवैध खनन की शिकायते कलेक्टर साहब को मिल रही थी इसी को लेकर बोरिया गांव में हमने कार्यवाही की है जेसीबी मशीन डंपर को जप्त कर लिया गया है आगे जो भी अवैध खनन करते पाया गया तो हम कार्यवाही करेंगे हमारी टीम नजर बनाए हुए हैं।

पिछले साल तक प्रतिदिन 30 कापियां जांचने का था नियम

बोर्ड मूल्यांकनकर्ताओं को जांचनी होंगी परीक्षा की डेढ़ से दोगुनी कापियां

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मध्य प्रदेश बोर्ड की परीक्षाएं शुरू होते ही उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन की तैयारी भी तेज हो चली है। मूल्यांकन 22 फरवरी से शुरू होगा, लेकिन इस बीच माध्यमिक शिक्षा मंडल ने मूल्यांकनकर्ता शिक्षकों पर काम का भार बढ़ा दिया है। इस साल उन्हें डेढ़ से दोगुनी कापियां जांचनी होंगी।

जानकारी के अनुसार पिछले साल तक शिक्षकों को प्रतिदिन 30 उत्तरपुस्तिकाओं का मूल्यांकन करना होता था। इस साल उन्हें प्रतिदिन 45 से 60 उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करने के लिए कहा गया है। माध्यमिक शिक्षा मंडल (माशिमं) ने इस संबंध में विस्तृत दिशा-निर्देश जारी कर दिए हैं। मूल्यांकनकर्ता को हाईस्कूल की एक कापी जांचने पर 15 रुपये और हायर सेकेंडरी की कापी जांचने पर 16 रुपये दिए जाएंगे। मुख्यालय के बाहर से आने वाले शिक्षकों को 180 रुपये वाहन भत्ता व स्थानीय शिक्षकों को 130 रुपये भत्ता दिया जाएगा।

अधिकारियों का कहना है कि नई व्यवस्था से मूल्यांकन की प्रक्रिया तेज होगी और परिणाम समय पर घोषित किए जा सकेंगे। साथ ही फर्जी उपस्थिति, देरी और लापरवाही पर भी नियंत्रण रखा जा सकेगा। इस बार बोर्ड परीक्षा जल्द शुरू की गई है, परिणाम भी जल्द घोषित किए जाएंगे। करीब 16 लाख विद्यार्थियों की सवा करोड़ उत्तरपुस्तिकाओं का मूल्यांकन किया जाएगा।

पहला चरण 22 फरवरी से शुरू होगा

मूल्यांकन का पहला चरण 22 फरवरी से शुरू होगा। इसमें अंग्रेजी, भौतिक विज्ञान, इतिहास, कृषि, विज्ञान विषयों की उत्तरपुस्तिकाओं का मूल्यांकन होगा। तीन मार्च से दूसरा चरण शुरू होगा।

डिजिटल निगरानी प्रणाली लागू होगी

नई व्यवस्था के तहत इस बार डिजिटल निगरानी प्रणाली लागू की गई है। शिक्षकों को अब मूल्यांकन कार्य शुरू करने से पहले मोबाइल ऐप पर उपस्थिति दर्ज करानी होगी। इसके बिना उन्हें उत्तरपुस्तिका जांचने की अनुमति नहीं मिलेगी। प्रतिदिन जांची गई उत्तरपुस्तिकाओं का रिकार्ड ऐप और रजिस्टर दोनों में अपडेट करना होगा।

धंसे मकान को निगम ने रातों-रात किया जमींदोज

जर्जर मकान ढहा तो फिर चेता नगर-निगम अब शुरू करेगा ऐसे मकान हटाने कार्रवाई

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मुराई मोहल्ले में बीती रात एक तीन मंजिला पुराना मकान अचानक धंस गया। इसकी इसकी चपेट में अन्य तीन मकान भी आ गए। हालात बिगड़ते देख नगर निगम ने रात में ही मकान को पूरी तरह गिरा दिया। रविवार सुबह निरीक्षण करने निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल पहुंचे और उन्होंने शहरभर में जर्जर मकानों को चिह्नित कर कार्रवाई के निर्देश अधिकारियों को दिए।

जिस स्थान पर मकान गिरा, वहां इन दिनों पाइप लाइन डालने का काम चल रहा है। पार्षद पति सुमित तलरेजा का कहना है कि मकान के सामने बनी गुमटी के कारण पाइप लाइन का कार्य बाधित हो रहा था। साथ ही नाली का पानी लंबे समय से खाली मकान में भर रहा था, जिससे मकान के धंसने की आशंका है। उन्होंने जेसीबी से नुकसान की

बात को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि मौके पर जेसीबी आई ही नहीं। रहवासियों का आरोप-ड्रेनेज कार्य बना वजह अन्य तीन मकान भी चपेट में आए वहीं क्षेत्रीय रहवासियों का आरोप है कि ड्रेनेज पाइप लाइन डालते समय ही मकान कमजोर हो गया था। इसकी शिकायत भी की गई, लेकिन समय रहते कोई कार्रवाई नहीं हुई। नतीजा यह हुआ कि मकान धंस गया और उसकी चपेट में आसपास के तीन अन्य मकान भी आ गए। अब यह मकान दोबारा कैसे बनेंगे, इसको लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं। कारण डेटा फॉर्म के माध्यम से नक्शा मंजूरी पर रोक लगी हुई है। शहर के मध्य इलाकों में नक्शे मंजूर नहीं किए जा रहे हैं। महापौर परिषद सदस्य नंदकिशोर पहाड़िया ने यह मुद्दा उठाया था। मामला मुख्यमंत्री मोहन यादव तक भी पहुंचा, लेकिन अब तक नक्शा मंजूरी को लेकर कोई स्पष्ट निर्णय नहीं हो सका है। शहर के बीचों-बीच कई नक्शे अटके हुए हैं, जिससे एक ओर नगर निगम को लाखों रुपये के राजस्व का नुकसान हो रहा है, वहीं दूसरी ओर लोग अपने मकान नहीं बना पा रहे। नगर निगम में नेता प्रतिपक्ष चिंटू चौकसे ने आरोप लगाया कि ड्रेनेज लाइन डालने के दौरान जेसीबी का पंजा मकान पर लग गया, जिससे गड्ढा और बड़ा हो गया।

जबरेश्वर महादेव के जलाभिषेक में उमड़ा जनसैलाब

पुलिस प्रशासन की कड़ी निगरानी में हुआ आयोजन

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

देपालपुर ● जबरेश्वर सेना द्वारा हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी जबरेश्वर महादेव का जलाभिषेक किया गया कार्यक्रम की शुरुआत शांति विहार कॉलोनी से करीब 11:00 बजे की गई सुबह 9:00 बजे से ही जबरेश्वर सेना के कार्यकर्ता चल समारोह के लिए एकत्रित होने लगे सुबह से ही देपालपुर नगर के व्यापारियों ने अपने प्रतिष्ठान बंद रखकर जबरेश्वर महादेव की सवारी के साथ कंधे से कंधा मिलाकर सहयोग किया नगर को भगवा मय देख जय जबरेश्वर जय श्री राम के नारे लगे जबरेश्वर महादेव का कई मंचों से स्वागत हुआ शिव भक्तों की टोली इस यात्रा में अलग ही नजर आ रही थी ढोलक और बैंड की थाप पर भोले प्रेमी नाचते गाते रहे बस स्टैंड पर

स्टाइलिश ग्रुप द्वारा भव्य खिचड़ी वितरण का आयोजन भी किया गया कार्यक्रम के शुरूआत में मंच पर राजेन्द्र चौधरी द्वारा साधु संतों का सम्मान किया गया और यह संकल्प दिलाया कि जब तक जबरेश्वर महादेव मंदिर का निर्माण नहीं हो जाएगा तब तक प्रतिवर्ष हम जबरेश्वर महादेव के लिए संघर्ष करते रहेंगे और यह आयोजन होता रहेगा इस कार्यक्रम में देपालपुर विधानसभा से पधारे सैकड़ो कार्यकर्ताओं का राजेंद्र चौधरी ने आभार व्यक्त किया है। पुलिस और प्रशासन की महत्वपूर्ण भूमिका रही सुबह से ही नगर मे चप्पे चप्पे करीब 100 से अधिक पुलिस और कोटवार तैनात थे साथ ही एसडीओपी संघप्रिय सम्राट और देपालपुर थाना प्रभारी रणजीत सिंह बघेल ने नगर की कमान संभाल रखी थी कार्यक्रम खत्म होने तक नगर के व्यापारियों का भरपूर सहयोग मिला।

इंदौर प्रेस क्लब में मना महाशिवरात्रि पर्व

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इंदौर प्रेस क्लब परिसर में स्थित बिल्वपत्रेश्वर शिव मंदिर में महाशिवरात्रि पर्व के मौके पर भगवान भोलेनाथ के साथ शिव परिवार का विशेष श्रृंगार किया गया। पं. धीरेंद्र राजौरिया ने विधि विधान से पूजन करवाया और महाआरती हुई। इस मौके पर प्रेस क्लब अध्यक्ष दीपक कर्दम, पूर्व अध्यक्ष अरविंद तिवारी, महासचिव प्रदीप जोशी, कोषाध्यक्ष मुकेश तिवारी, कार्यकारिणी सदस्य अभय तिवारी, मनीष मक्खर, प्रमोद दीक्षित, श्याम कामले, विजय भट्ट, सीमा रुपेश व्यास, शैलेश पाठक, अर्पण जैन, राजेंद्र कोपरगांवकर, नाना नागर, शिक्षाविद गिरधर नागर, धर्मेश यशलाहा, विमल गर्ग, विनोद गोयल, राहुल वावीकर, प्रवीण सावंत, सिराज अहमद, सतीश गौड़, मुस्ताक भाई, राजकुमार वर्मा, बंटी गुंजाल, आशीष शर्मा, गोपाल वर्मा, नितिन सोलंकी, भरत बामने, अनिल पुरोहित, योगेश निम, आशीष तिवारी, बालकृष्ण मुले, सौरभ पवार, लोकेंद्र चौहान, प्रो. अखिलेश राव, माला सिंह ठाकुर, केशव गुप्ता, पारस जैन, भवानी आर्य, मुकेश मोलवा, सहित मीडिया के कई साथी शामिल हुए। विश्व हिंदू परिषद के राष्ट्रीय महामंत्री मिलिंद परांदे विशेष रूप से आरती में शामिल हुए। इस मौके पर दीपक कर्दम एवं अरविंद तिवारी ने उनका स्वागत किया। तत्पश्चात प्रसादी वितरण किया गया।

समाजसेवकों व उत्कृष्ट अधिकारी कर्मचारियों का सम्मान करना समाज का दायित्व -अनीता चौहान

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इंदौर मध्यप्रदेश बाल्मीकि कल्याण परिषद के आयोजन में उक्त उदगार संयुक संचालक शिक्षा श्रीमती अनिता चौहान ने व्यक्त किए। मध्यप्रदेश बाल्मीकि कल्याण परिषद के प्रदेश अध्यक्ष मनोज मेहना संरक्षक हरीश बोयत संयोजक पिंटू लश्करी ने बताया की परिषद द्वारा आज इंदौर प्रेस क्लब के सभागृह में आयोजित समारोह में समाजसेवी एवं उत्कृष्ट अधिकारी कर्मचारियों का सम्मान एक रंगारंग समारोह में किया गया आयोजन में मुख्य अतिथि श्रीमती अनीता चौहान संयुक्त संचालक शिक्षा संभाग इंदौर, अध्यक्षता डॉक्टर माधव हासानी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य थे । कर्मचारी संघ संयुक्त मोर्चा के जिला अध्यक्ष रमेश यादव इंदौर प्रेस क्लब के कार्यकारिणी सदस्य

प्रमोद दीक्षित, राधा यादव थाना इंचार्ज, कमलेश सिंह मध्य प्रदेश स्वास्थ्य कर्मचारी संघ जिला अध्यक्ष इंदौर विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे।

स्वागत भाषण एवं अतिथियों का स्वागत संरक्षक हरीश बोयत ने किया । आज के इस कार्यक्रम में सम्मानित होने वाले साथी। डाक्टर रीना पाटील , राधा कृष्ण शर्मा, धर्मेंद्र पाठक, महेंद्र पथरोड़, भूपेंद्र पोतदार, प्रो मदनलाल वास्केल, नियाज़ मोहम्मद खान , धीरज नागर, मास्टर कर्तव्य मेहना, रिशांत गवते, मनीष घनघोरिया, रंजनाताई, राजेश मेहना, राजकुमार गोहर, पृथ्वीराज जी उस्ताद पिपले का सम्मान किया गया एवं राष्ट्रीय गीतों की प्रस्तुति दी गई । अतिथियों का स्वागत सोनू कल्याने, पवन थनवार मनीष बॉक्सर, ने किया संचालन सुरेश करोसिया ने एवं आभार पवन शर्मा ने माना।

शिव भक्तों के साथ मनाया महाशिवरात्रि पर्व

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव रविवार को महाशिवरात्रि के अवसर पर भोपाल के प्राचीन बड़वाले महादेव मंदिर में आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने नागरिकों को महाशिवरात्रि की बधाई देते हुए सभी के साथ महाशिवरात्रि पर्व मनाया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भगवान शिव की पूजा अर्चना कर अभिषेक किया। वे महाशिवरात्रि पर्व पर शिवभक्तगणों के साथ कार्यक्रम में शामिल हुए। पुलिस बैंड के सदस्यों सहित अनेक युवाओं ने डमरू दल के साथ पारम्परिक प्रस्तुति दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शिव बारात को रवाना किया और बारात का रथ भी खींचा। इस अवसर पर स्थानीय नागरिकगण उत्साह, उमंग से बारात में शामिल हुए।

सरकारी आदर्श कन्या आश्रम में स्क्रीनिंग कैंप आयोजित

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● आज इंदौर एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स (IAP) के तत्वावधान में मोती तबेला स्थित 'सरकारी आदर्श कन्या आश्रम' में एक विशेष एनीमिया स्क्रीनिंग कैंप का सफल आयोजन किया गया। इस कैंप का मुख्य उद्देश्य बच्चों में रक्त की कमी (एनीमिया) की पहचान करना और उन्हें स्वस्थ भविष्य की ओर अग्रसर करना था।

कैंप की मुख्य झलकियां:

स्क्रीनिंग: कैंप के दौरान लगभग 40 बच्चों की हीमोग्लोबिन जांच की गई। **उपचार व दवाएं:** जांच के बाद सभी बच्चों को कृमि मुक्ति की दवाएं, आयरन सप्लीमेंट्स और मल्टीविटामिन वितरित किए गए। **पोषण जागरूकता:** उपस्थित चिकित्सकों ने बच्चों को सही पोषण और खान-पान की आदतों के माध्यम से एनीमिया से बचाव की महत्वपूर्ण जानकारी दी। **विशेष वितरण:** बच्चों को पोषण से भरपूर गुड़-मूंगफली युक्त मिठाई का वितरण भी किया गया।

सांध्य दैनिक

इंदौर संकेत

इंदौर, सोमवार 16 फरवरी 2026

मुख्यमंत्री का हेलिकॉप्टर हवा में लड़खड़ाया टेकऑफ के बाद पीछे की तरफ गया

भोपाल (एजेंसी) ● मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का हेलिकॉप्टर शनिवार को हवा में लड़खड़ाने लगा। वे खंडवा के पंधाना में राज्यस्तरीय लाड़ली बहना योजना के कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे थे। कार्यक्रम खत्म होने के बाद जब सीएम का हेलिकॉप्टर टेकऑफ के लिए हवा में उठा, तो वह आगे बढ़ने की बजाय पीछे की ओर जाने लगा। फिर कुछ पलों के लिए हवा में थम गया।

पायलट ने सूझबूझ दिखाते हुए तुरंत स्थिति को कंट्रोल किया और हेलिकॉप्टर ने सुरक्षित उड़ान भरी। इसके बाद सीएम यादव खंडवा से भोपाल पहुंचे। घटना का वीडियो रविवार को सामने आया है। खंडवा एसपी मनोज कुमार राय ने कहा- तकनीकी रूप से कुछ भी ऐसा नहीं था कि उड़ान में कोई दिक्कत आई हो। हमने तुरंत संबंधित अधिकारियों से चर्चा की थी। उन्होंने बताया कि यह सामान्य बात है। टेक ऑफ के समय हेलिकॉप्टर अलग दिशा में था जबकि उसे दूसरी दिशा में जाना था। वह हवा में उठकर निर्धारित दिशा में जाने के लिए घूमने लगा। इसी बीच ज्यादा धूल उड़ने लगी गई। धूल और ज्यादा न उड़े इसलिए पायलट ने हेलिकॉप्टर की रफ्तार धीमी कर दी। फिर कुछ सेकेंड में ही हेलिकॉप्टर को थोड़ा नीचे लाकर स्टेट किया। इसके बाद हेलिकॉप्टर भोपाल के लिए रवाना हो गया।

भोपाल की ताल के चौपाल से

चर्च को चंदा दिला रहे कलेक्टर साहब, मंत्रालय वाले साहब मसाज के शौकीन और मंत्रीजी की चाहत अधूरी

बोल हरि बोल

हरीश दिवेकर

मध्य प्रदेश की राजनीति और अफसरशाही में इन दिनों चर्च फंडिंग, हाई-प्रोफाइल मसाज पार्लर और मंत्रियों के चहेतों को लेकर कानाफूसी का बाजार गर्म है। सर्दियों वाले दिन अब सिमट रहे हैं। पारा चढ़ रहा है। हां, ऐसा ही पारा हर हफ्ते चढ़ता है सियासत और अफसरशाही में। अब देखिए न, एक साहब के शौक की चर्चा ने मंत्रालय में कानाफूसी का पारा चढ़ा दिया है। बुंदेलखंड से भी एक खबर सामने आई है। वहां एक कलेक्टर साहब चर्च को चंदा दिला रहे हैं। इधर, मंत्रीजी की चाहत अधूरी रह गई है। उन्होंने अपनी पसंदीदा मैडम को आगे बढ़ाने के भरसक प्रयास किए, लेकिन सफलता नहीं मिल पाई है। हालांकि मंत्रीजी ने हार नहीं मानी है। अब उनका टाइम खराब चल रहा है, इसलिए शांत बैठ गए हैं। खैर, देश-प्रदेश में खबरें तो और भी बहुत हैं, आप तो सीधे नीचे उतर आईए और वरिष्ठ पत्रकार हरीश दिवेकर के लोकप्रिय कॉलम क्भ्द्य ।ड्डह्द्ध क्भ्द्य के रोचक किस्सों का आनंद लीजिए।

चर्च को फंडिंग करा रहे साहब!

बुंदेलखंड के जिले में पदस्थ एक कलेक्टर साहब वैसे तो लंबे अरसे से विवादों में हैं। अब हाल ही में अंदरखाने से खबर आई है कि कलेक्टर साहब गुपचुप तरीके से एक चर्च को फंडिंग करवा रहे हैं। वैसे धार्मिक संस्थानों को दान देना या दिलवाना कोई अपराध तो नहीं है, लेकिन हवा उलटी बह रही है। लिहाजा, साहब पूरा काम बेहद गोपनीय तरीके से कर रहे हैं। अब कोई ऐसे गुपचुप काम करे और द सूत्र को खबर न हो, ऐसा भले कैसे हो सकता है। फिलहाल ये कलेक्टर साहब बड़े साहब की गुड लिस्ट में हैं। यही वजह है कि इन पर लगातार भ्रष्टाचार के आरोप लगने और जनप्रतिनिधियों की नाराजगी सामने आने के बाद भी कुछ नहीं हुआ है और कलेक्टर साहब अंगद की तरह अपने पैर जमाए हुए हैं।

शौक बड़ी चीज होती है...

देखिए, शौक बड़ी चीज होती है। फिर इसके आगे सब बौना हो जाता है। यही मामला ले लीजिए। मंत्रालय में सचिव के पद पर पदस्थ एक साहब राजधानी के एक हाईप्रोफाइल सैलून में अक्सर विजिट करते देखे जाते हैं। साहब को वहां की मसाज खास तौर पर पसंद है। साहब के आने से पहले ही सैलून वाला मसाज रूम की व्यवस्थाएं पूरी तरह चाक-चौबंद कर देता है, ताकि साहब आराम करें और पूरे कम्फर्ट के साथ 2-3 घंटे मसाज का आनंद ले सकें। अब आगे क्या लिखना... आप समझदार हैं। आजकल हाईप्रोफाइल सैलून में मसाज के नाम पर क्या-क्या होता है, ये बताने की जरूरत नहीं है।

खाकी के लिए खाली करना होगा बंगला

होम डिपार्टमेंट के अफसर इन दिनों अपने ही अंदाज में खेल खेलते नजर आ रहे हैं। अब मामला ऐसा है कि मामा के दाएं- बाएं रहने वाले एक पूर्व मंत्रीजी लंबे समय से सरकारी बंगला खाली नहीं कर रहे थे। पात्रता खत्म होने के बाद भी बंगले पर उनका कब्जा बना हुआ था। इसी बीच होम डिपार्टमेंट ने हाल ही में वही बंगला पुलिस कमिश्नर को आवंटित कर दिया। बस फिर क्या था, पूरा मामला पलट गया। अब नेताजी सकते में हैं और खुद होम डिपार्टमेंट के चक्कर लगाकर बंगला खाली करने के लिए समय मांगते फिर रहे हैं। अब देखना यह है कि नेताजी कितनी जल्दी बंगला खाली करते हैं या मामला कुछ दिन और खिंचता है।

मंत्री नहीं बचा पाए चहेती को...

अक्सर विवादों में रहने वाले मंत्रीजी इस बार चाहकर भी अपनी चहेती को नहीं बचा पाए। चर्चा है कि मंत्रीजी को एक प्राइमरी टीचर इतनी पसंद आई कि अलग-अलग तरीके अपनाकर उसे एमपीपीएससी वाले पद तक पहुंचा दिया। इतना ही नहीं, अपने महकमे में डेपुटेशन पर बुलाकर बंगला और गाड़ी उपलब्ध करा दी, लेकिन मंत्रीजी के अपने ही चाहने वालों ने इतनी शिकायतें कर दीं कि मामला ऊपर तक पहुंच गया। हालात ऐसे बने कि मंत्रीजी चाहकर भी अपनी चहेती को बचा नहीं पाए। दरअसल, इस समय मंत्रीजी खुद बड़े विवाद में उलझे हैं। ऐसे माहौल में उन्होंने कुछ समय चुप रहना बेहतर समझा है। सूत्रों का कहना है कि जैसे ही मंत्रीजी विवादों से बाहर आएंगे, वैसे ही मैडम को फिर सिस्टम में ताकत दिलाने की कोशिश शुरू हो सकती है। मंत्रीजी की चाहत ही कुछ ऐसी बताई जा रही है... अब आगे क्या हो, ये आने वाला समय ही बताएगा।

काम तो बोलता है जी!

अगर आप सच में विजनरी होते हैं तो आपका काम खुद अपनी कहानी कहता है। हाल की एक पोस्टिंग ने यही साबित भी किया है। साहब जब पहले एक महकमे में पदस्थ थे, तब उनका विजन और काम करने का तरीका हर किसी को प्रभावित करता था। सिस्टम में उनकी पकड़ और फैसलों की चर्चा अलग स्तर पर होती थी। बाद में उनका तबादला हो गया और उनकी जगह कई दूसरे साहब आए, लेकिन बात वैसी बन नहीं पाई। डॉक्टर साहब स्वयं दो साल में इस महकमे में चार प्रयोग कर चुके थे। अब आखिरकार पुराने साहब को महकमे की कमान सौंपी गई है। उम्मीद यही है कि साहब अपने काम के दम पर फिर वही पुराना असर दिखाएंगे और महकमे के जरिए प्रदेश को नई रफ्तार देने की कोशिश करेंगे।

भीड़ कहां किसी की होती है नेताजी!

कहते हैं अभिनेताओं और नेताओं के लिए भीड़ किसी बूस्टर डोज के जैसी होती है। अब देखिए, विपक्ष के एक नेताजी का हाल ही में वीरों की धरा में जोरदार स्वागत हुआ। जेसीबी से फूल बरसाए गए। भीड़ और कार्यकर्ताओं का जोश देखकर नेताजी ने मंच से बड़ा दावा कर दिया। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश में बदलाव की लहर चल पड़ी है और प्रदेश में परिवर्तन की चर्चा अब खुलकर होने लगी है। हालांकि, उनके इस बयान के बाद सियासी गलियारों में चर्चाएं शुरू हो गई हैं। उनके समर्थकों ने ही कहा कि नेताजी ने अति उत्साह में ये बयान दे दिया। वहीं, नेताजी से जलने वाले कहते रहे कि चुनाव में अभी तीन साल हैं। दूर के ढोल तो सुहाने ही लगते हैं।

स्पेशल बच्चों के साथ सीखने-समझने का अनूठा अनुभव –सीएमएलडीपी विद्यार्थियों की अतिरिक्त कक्षा 'पहचान स्कूल' में आयोजित

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम (सीएमएलडीपी) की अतिरिक्त कक्षा का आयोजन हाल ही में लिंबोदी क्षेत्र स्थित वरेण्यम समाज कल्याण समिति द्वारा संचालित 'पहचान स्कूल फॉर स्पेशल चाइल्ड' में किया गया। इस अवसर पर पाठ्यक्रम के विद्यार्थियों को विशेष बच्चों के विद्यालय का शैक्षणिक भ्रमण कराया गया। भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने न केवल स्पेशल बच्चों के जीवन, शिक्षा एवं व्यवहार संबंधी जानकारी प्राप्त की, बल्कि उनके साथ विभिन्न गतिविधियों में भाग लेकर उनके साथ समय बिताया और अनुभव साझा किया। कार्यक्रम में स्पेशल एजुकेटर किरण नरवरे ने बच्चों की विशेष आवश्यकताओं और शिक्षण पद्धति के बारे में जानकारी दी, वहीं विद्यालय की प्राचार्य आरती धारवा ने स्कूल के संचालन एवं कार्यप्रणाली से अवगत कराया। इसके पश्चात विद्यालय परिसर में ही अतिरिक्त कक्षा का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों को विभिन्न विषय प्रदान किए गए और सभी ने अपने-अपने विचार प्रस्तुत किए। कार्यक्रम के अंत में मेंटर सुनील सराठे ने पुलवामा की घटना का उल्लेख करते हुए शहीद सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित करवाई तथा सभी ने दो मिनट का मौन रखकर नमन किया। इस अतिरिक्त कक्षा में जिला समन्वयक ऋतुजा पहाड़े, वरेण्यम समाज कल्याण समिति की अध्यक्ष सोनी धारवा, नवांकुर संस्था सेक्टर खुड़ैल के संस्था प्रमुख सहित मेंटर मीनाक्षी मिश्रा, वीरेंद्र तिवारी, शिवफूल पगारे, सुनील सराठे, हरिओम दांगी तथा एमएसडब्ल्यू एवं बीएसडब्ल्यू के विद्यार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम ने विद्यार्थियों को समावेशी शिक्षा और संवेदनशील समाज निर्माण का व्यावहारिक अनुभव प्रदान किया।

अटल खेल संकुल के स्विमिंग पूल को नया रूप दिया जा रहा

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ●योजना क्रमांक 78 स्थित अटल खेल संकुल के स्विमिंग पूल को नया रूप दिया जा रहा हैं, सब कुछ ठीक रहा तो अगले तीन माह में ये शुरू करने की स्थिति में आ जाएगा। करीब 20 वर्ष पूर्व यहां पर स्विमिंग पूल निर्मित किया गया था, लेकिन इसकी गहराई कुछ अधिक हो गई थी, इससे यहां आने वाले लोगों के लिए ये खतरनाक हो सकता था, तब से स्विमिंग पूल बंद ही हैं। शुरुआत में ड्रेनेज लाइन का पानी भी आ गया था। स्थानीय पार्षद व नगर निगम के जनकार्य समिति प्रभारी राजेन्द्र राठौर की व्यक्तिगत रूचि से स्विमिंग पूल को नए सिरे से संवारा जा रहा हैं।

करीब एक वर्ष पुर्व अटल संकुल के स्विमिंग पूल को नए सिरे से संवारने का काम शुरू किया गया, और मई में इसे शुरू करने की बात कही जा रही हैं। ये क्षेत्र के युवाओं के लिए एक सौगात रहेगी। योजना 78 में अटल संकुल के आसपास बीते वर्षों में कई बिल्डिगें बन गई हैं, इसके चलते स्विमिंग पूल को ऊपर से कवर्ड भी किया जाएगा। खुला रखने पर सुरक्षा के दृष्टि से ठीक नहीं माना गया हैं। पूल को करीब 22 फीट ऊंचाई पर विशेष मटेरियल से कवर किया जाएगा, जो कपड़े जैसा दिखेगा, लेकिन मजबूत होगा और धूप, धूल व धुएं से बचाव करेगा। स्विमिंग पूल को नए सिरे से संवारने पर नगर निगम लगभग एक करोड़ खर्च कर रहा हैं। महापौर परिषद सदस्य राजेन्द्र राठौर ने बताया कि स्विमिंग पूल को राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं के लिहाज से तैयार किया जा रहा हैं।

एक नजर इधर भी

- नेहरू पार्क स्थित स्विमिंग पूल में भी निर्माण कार्य जारी हैं। यहां पुरानी टाइल्स हटाकर नई लगाई गई हैं, आस पास के हिस्से को भी नए सिरे से कवर्ड किया गया हैं। इसे भी जल्द शुरू करने की तैयारी हैं।
- महाराणा प्रताप चौराहा (महू नाका) पर भी निगम का स्विमिंग पूल हैं, लेकिन इसकी भी बहुत अच्छी स्थिति नहीं हैं, कई बार ये बंद किया जा चुका हैं, इसे भी नए सिरे से संवारने की योजना हैं।
- योजना 94 में पिललियाहाना चौराहे के पास इंदौर विकास प्राधिकरण ने भी अंतराष्ट्रीय स्तर का स्विमिंग पूल तैयार किया हैं, इसका लोकार्पण भी हो चुका हैं, लेकिन इसके संचालन व संधारण के लिए कोई एजेंसी अभी तक फिक्स नहीं हुई हैं, इस कारण युवाओं को इसका लाभ नहीं मिल रहा हैं।
- अटल खेल संकुल में क्रिकेट, फुटबाल के लिए विशाल खेल मैदान के साथ ही बैडमिंटन कोर्ट भी हैं, यहां हर दिन वालीबॉल, ताईक्वांडो आदि खेल गतिविधियों का संचालन भी होता हैं।

सांध्य दैनिक

इंदौर संकेत

आपकी बात, इंदौर संकेत के साथ

डिजिटल रूप से लाखों पाठकों के साथ अपना नियमित संपर्क बनाते हुए दैनिक इंदौर संकेत अब एक नई ऊंचाइयों को छू रहा है। आप भी अपने संस्थान, उत्पाद, संस्था का प्रचार-प्रसार दैनिक इंदौर संकेत के माध्यम से सकते हैं। इसके तहत आप चाहे प्रार्प्टी व्यवसाय से जुड़े हैं या कोई बधाई संदेश देना है या जन्मदिन की शुभकामनाएं हो या कोई अन्य कैटेगरी में विज्ञापन देना चाहते हैं तो न्यूनतम दर पर प्रकाशित करने के लिए संपर्क कर सकते हैं। दैनिक इंदौर संकेत संवेदनापूर्ण संदेशों को लेकर अत्यंत संवेदनशील है। इसीलिए इस समाचार पत्र में शोक संदेश नि:शुल्क प्रकाशित किए जाएंगे।

कार्यालय का पता

5/6, राज मोहल्ला, महेश नगर,
गुरुद्वारे के सामने, इंदौर

संपर्क: 94250-64357, 94245-83000

महाशिवरात्रि पर नीलकंठेशवर महादेव की भव्य शोभा यात्रा

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● महाशिवरात्रि के पावन पर्व के अवसर पर नीलकंठेशवर महादेव की भव्य बारात की शोभा यात्रा टिकरिया बादशाह रोड सुरेंद्रनगर से यादव पैलेस से होती हुई गिरना सिटी पर समाप्त हुई। यात्रा में शिव भक्त भगवान भोलेनाथ की धुन पर नाश्ते गेट चल रहे थे यात्रा समाप्ति पर मंदिर में महा आरती के साथ हरियाली खीर का वितरण हुआ।

अधिवक्ता तनुज दीक्षित के नेतृत्व में महाशिवरात्रि पर सेवा आयोजन

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर गोपेश्वर महादेव मंदिर में अधिवक्ता तनुज दीक्षित के तत्वावधान में फलाहारी खिचड़ी एवं ठंडाई की प्रसादी का भव्य वितरण किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु मंदिर पहुंचे और श्रद्धा भाव से प्रसादी ग्रहण की। कार्यक्रम में शहर के वरिष्ठ एवं गणमान्य अधिवक्ताओं की उल्लेखनीय उपस्थिति रही। उच्च न्यायालय अभिभाषक संघ के अध्यक्ष मनीष यादव, सचिव मनीष गडकर तथा जिला न्यायालय अभिभाषक संघ के अध्यक्ष लखन लाल यादव विशेष रूप से उपस्थित रहे। साथ ही समाजसेवी विजय दीक्षित सहित अनेक अधिवक्तागणों ने आयोजन में सहभागिता कर सेवा कार्य को सराहा। इस दौरान अधिवक्ता अभिजीत सिंह राठौर, योगेश जैसवाल, स्वाति काशीद, भूपेंद्र यादव, रोहित उज्जैनि, सौरभ जैन, परितोष श्रीवास्तव, गौरव, रत्नेश गुप्ता, विवेक व्यास, अविनाश वैश्नव, करण बैरागी, कैलाश कौशल, विजय चौहान, भवानी आर्य, अक्षत गुप्ता सहित अन्य अधिवक्ता उपस्थित रहे।

भाजपा का आजीवन समर्पण निधि एकत्रीकरण अभियान

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी की पुण्यतिथि को भाजपा समर्पण दिवस के रूप में मनाती है, उसी दिन से आजीवन समर्पण निधि के रूप में नेता संगठन के सशक्तिकरण के लिए धन संग्रहण का अभियान प्रारंभ करते हैं। यह अभियान 28 फरवरी तक चलेगा। इस अभियान के निमित आज भाजपा नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा, विधायक व अभियान नगर प्रभारी गोलू शुक्ला, सह प्रभारी हरप्रीत सिंह बक्शी, मुकेश मंगल विभिन्न नेताओं के निवास पहुंचकरआजीवन समर्पण निधि एकत्रीकरण कार्य कर रहे हैं। इसी क्रम में आज भाजपा नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा, विधायक व अभियान नगर प्रभारी गोलू शुक्ला, सह प्रभारी हरप्रीत सिंह बक्शी, मुकेश मंगल पूर्व लोकसभा अध्यक्ष सुमित्रा महाजन के निवास पहुंचे, श्रीमती महाजन ने समर्पण निधि का चेक नेताओं को भेंट किया। मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के निवास पर भाजपा नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा, विधायक शुक्ला, सह प्रभारी हरप्रीत सिंह, मुकेश मंगल, निगम सभापति मुन्नालाल यादव, मंडल अध्यक्ष पिंटू चौधरी पहुंचे, उन्होंने मंत्री कैलाश विजयवर्गीय से समर्पण निधि का चेक संग्रहित किया।

सम्पादकीय

बांग्लादेश में सत्ता बदली, अब सबसे बड़ा सवाल भारत और चीन के बीच नई सरकार किस राह चलेगी

बांग्लादेश में हुए चुनावों के बाद जैसे नतीजे आए हैं, उससे साफ है कि अब वहां सत्ता और सियासत का एक नया अध्याय शुरू होने जा रहा है। खासतौर पर इसलिए भी कि वहां कुल 300 में से बीएनपी यानी बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी को अकेले 209 सीटें मिली हैं। इसके बरक्स जमात-ए-इस्लामी और उसके सहयोगियों को सत्तहत्तर सीटें मिली हैं। जबकि वर्ष 2024 में बांग्लादेश में हुई व्यापक उथल-पुथल के दौरान छात्र आंदोलनों से निकली एनसीपी यानी नेशनल सिटिजंस पार्टी को सिर्फ छह सीटें मिल सकीं। शेख हसीना के नेतृत्व वाली अवामी लीग ने चुनाव में हिस्सा नहीं लिया था। अब संभावना यही है कि पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के बेटे और बीएनपी के अध्यक्ष तारिक रहमान के हाथों में देश की कमान होगी। गौरतलब है कि बीएनपी ने अपने चुनाव अभियान की शुरुआत 'बांग्लादेश सबसे पहले' के नारे के साथ की थी। अब जबकि बीएनपी को देश के मतदाताओं ने भारी बहुमत से जिताया है, तो उसके बाद यह देखने की बात होगी कि नई सरकार अंतरराष्ट्रीय कूटनीतिक मोर्चे पर इस नारे को किस हद तक केंद्र में रख पाती है। खासतौर पर चीन ने जिस तरह बांग्लादेश में दीर्घकालिक हित के मद्देनजर लंबी अवधि के लिए भारी निवेश किया है, उसमें नई सरकार के लिए अपने देश के हित के सवालों पर 'सबसे पहले' की नीति सुनिश्चित करना संवेदनशील फैसला होगा। मगर बांग्लादेश की असली परीक्षा भारत के साथ अपने संबंधों की दिशा तय करने के संदर्भ में होगी। दरअसल, इस क्षेत्र की भौगोलिक हकीकत यह तय करती है कि बांग्लादेश के संबंध में भारत की भूमिका निर्णायक रहेगी। बांग्लादेश की करीब चौरानबे फीसद सीमा भारत के साथ लगी हुई है। यानी सुरक्षा और व्यापार के मामले में बांग्लादेश के लिए भारत की अनदेखी करना आसान नहीं होगा। बहुत कुछ इस पर निर्भर होगा कि मतभेद के कई बिंदुओं के बावजूद बांग्लादेश की नई सरकार भारत को लेकर क्या रुख अपनाती है। हाल के समय में बांग्लादेश में जिस तरह का तीव्र ध्रुवीकरण देखा गया, उसे संभालना और फिर से सहज माहौल बनाना वहां की नई सरकार के लिए एक बड़ी चुनौती होगी।

सोलर पैनल वेस्टः भविष्य की सबसे बड़ी पर्यावरणीय चुनौती

ऊर्जा की जीत, पर्यावरण की हार: किसकी जिम्मेदारी?

वेस्ट टू वेल्थ या वेस्ट टू विनाशः भारत के सामने विकल्प

भारत की सौर ऊर्जा क्रांति आज दुनिया के लिए एक प्रेरक उदाहरण बन चुकी है। स्वच्छ, सस्ती और टिकाऊ ऊर्जा की ओर बढ़ता भारत जलवायु परिवर्तन के खिलाफ संघर्ष में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। विशाल सोलर पार्क, छतों पर लगे पैनल और सरकारी योजनाएं इस परिवर्तन की पहचान बन गई हैं। लेकिन इस चमकते भविष्य के पीछे एक गंभीर और अनदेखा संकट धीरे-धीरे आकार ले रहा है। यह संकट है सोलर पैनल वेस्ट की सुनामी, जो आने वाले वर्षों में पर्यावरण, स्वास्थ्य और अर्थव्यवस्था के लिए भारी चुनौती बन सकती है। काउंसिल ऑन एनर्जी, एनवायरनमेंट एंड वॉटर (सीईईडब्ल्यू) की 2025 रिपोर्टों के अनुसार यदि समय रहते कदम नहीं उठाए गए, तो हरा विकास काले कचरे में बदल सकता है।

पिछले एक दशक में भारत ने सौर ऊर्जा के क्षेत्र में असाधारण प्रगति की है। सौ गीगावाट से अधिक क्षमता हासिल करना और 2030 तक सैकड़ों गीगावाट का लक्ष्य तय करना राष्ट्रीय आत्मविश्वास को दर्शाता है। सरकारी प्रोत्साहन योजनाओं, निजी निवेश और अंतरराष्ट्रीय सहयोग ने इस क्षेत्र को नई गति दी है। पीएम सूर्य घर योजना और उत्पादन आधारित प्रोत्साहन जैसी पहलों ने लाखों लोगों को सौर ऊर्जा से जोड़ा है। परंतु इस तेज विस्तार के साथ यह भी सच है कि पैनलों की औसत आयु केवल पच्चीस से तीस वर्ष होती है। बीते वर्षों में लगाए गए पैनल अब धीरे-धीरे अनुपयोगी हो रहे हैं। इंटरनेशनल रिन्यूएबल एनर्जी एजेंसी के अध्ययन बताते हैं कि आने वाले दशकों में यह संख्या तेजी से बढ़ेगी और कचरे का रूप ले लेगी।

सोलर पैनल केवल साधारण शीशा या धातु नहीं होते। इनके भीतर सिलिकॉन, एल्यूमीनियम, कॉपर और प्लास्टिक के साथ-साथ लेड, कैडमियम और क्रोमियम जैसे जहरीले तत्व भी मौजूद होते हैं। जब ये पैनल बिना वैज्ञानिक प्रक्रिया के खुले मैदानों या लैंडफिल में फेंक दिए जाते हैं, तो वर्षा जल के साथ इनमें मौजूद रसायन मिट्टी और भूजल में घुल जाते हैं। इससे खेतों की उर्वरता कम होती है और पीने का पानी दूषित होता है। कृषि-प्रधान देश भारत में इसका प्रभाव अत्यंत गंभीर हो सकता है। अनियंत्रित निपटान से माइक्रोप्लास्टिक और विषैली गैसें भी वातावरण में फैलती हैं, जो मानव स्वास्थ्य पर लंबे समय तक असर डालती हैं।

भविष्य का परिदृश्य और भी चिंताजनक दिखाई देता है। विशेषज्ञों के अनुसार, 2030 तक भारत में संचयी सोलर पैनल वेस्ट लगभग 6 लाख टन तक पहुंच सकता है और 2047 तक यह लगभग 1.12 करोड़ टन (11 मिलियन टन) तक पहुंच सकता है। बीबीसी और अन्य अंतरराष्ट्रीय मीडिया संस्थानों ने भी इस खतरे को गंभीरता से रेखांकित किया है। यदि समय रहते रिसाइक्लिंग और पुनः उपयोग की व्यवस्था नहीं बनाई गई, तो यह संकट पर्यावरणीय आपदा के साथ-साथ आर्थिक नुकसान का कारण भी बनेगा। अरबों रुपये मूल्य की धातुएं और संसाधन कचरे में बदल जाएंगे, जिन्हें फिर कभी वापस नहीं पाया जा सकेगा।

पर्यावरणीय प्रभाव केवल मिट्टी और पानी तक सीमित नहीं हैं। भारी धातुएं धीरे-धीरे खाद्य श्रृंखला में प्रवेश कर जाती हैं और मनुष्यों तथा पशुओं के शरीर में जमा होने लगती हैं। इससे कैंसर, श्वसन रोग और तंत्रिका तंत्र से जुड़ी बीमारियों का खतरा बढ़ता है। राजस्थान, गुजरात, तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश जैसे बड़े सोलर हब विशेष रूप से जोखिम में हैं। बिना प्रोसेसिंग के पड़े पैनल धीरे-धीरे कार्बन उत्सर्जन और प्रदूषण को बढ़ाते हैं। विशेषज्ञ मानते हैं कि यदि पर्याप्त रिसाइक्लिंग संयंत्र नहीं बने, तो आने वाले दशकों में यह समस्या असहनीय स्तर पर पहुंच सकती है।

वर्तमान स्थिति इस चुनौती के अनुरूप मजबूत नहीं कही जा सकती। ई-वेस्ट नियमों में सोलर पैनलों को शामिल तो किया गया है, लेकिन उनका प्रभावी क्रियान्वयन अभी कमजोर है। विस्तारित उत्पादक जिम्मेदारी जैसे प्रावधान कागजों तक सीमित दिखाई देते हैं। देश में सीमित संख्या में ही आधुनिक रिसाइक्लिंग प्लांट मौजूद हैं, जबकि भविष्य के लिए सैकड़ों की आवश्यकता होगी। द एनर्जी एंड रिसोर्सेज़ इंस्टीट्यूट की रिपोर्टों के अनुसार, तकनीकी कमी, निवेश अभाव और जागरूकता की कमी इस क्षेत्र की सबसे बड़ी बाधाएं हैं। अधिकांश वेस्ट आज भी अनौपचारिक डंपिंग स्थलों में चला जाता है, जहां से प्रदूषण फैलता रहता है।

इसके विपरीत, यदि सर्कुलर इकोनॉमी को गंभीरता से अपनाया जाए, तो यही संकट एक बड़े अवसर में बदल सकता है। वैज्ञानिक रिसाइक्लिंग से सिलिकॉन, सिल्वर और कॉपर जैसे मूल्यवान तत्व दोबारा उपयोग में लाए जा सकते हैं। इससे आयात पर निर्भरता घटेगी और घरेलू उद्योग को मजबूती मिलेगी। यह क्षेत्र आने वाले वर्षों में हजारों करोड़ रुपये का बाजार बन सकता है और लाखों युवाओं को रोजगार दे सकता है। सर्कुलर मॉडल न केवल पर्यावरण की रक्षा करता है, बल्कि आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को भी साकार करता है। दुर्भाग्यवश, पर्याप्त तैयारी न होने के कारण भारत अभी इस संभावना का पूरा लाभ नहीं उठा पा रहा है।

अब नीतिगत स्तर पर त्वरित और ठोस कदम उठाना अनिवार्य हो गया है। विस्तारित उत्पादक जिम्मेदारी को सख्ती से लागू करना होगा, ताकि कंपनियां अपने उत्पादों के जीवनचक्र की जिम्मेदारी लें। अनुसंधान और नवाचार में निवेश बढ़ाकर स्वदेशी तकनीक विकसित करनी होगी। स्थानीय निकायों और पंचायतों को प्रशिक्षण देकर उन्हें वेस्ट प्रबंधन की प्रक्रिया से जोड़ा जाना चाहिए। मिनिस्ट्री ऑफ एनवायरनमेंट, फॉरेस्ट एंड क्लाइमेट चेंज के नेतृत्व में एक राष्ट्रीय सर्कुलर टास्कफोर्स का गठन इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम हो सकता है। अंतरराष्ट्रीय सहयोग से उन्नत तकनीक और अनुभव प्राप्त किए जा सकते हैं।

सोलर पैनल वेस्ट की यह सुनामी कोई अपरिहार्य नियति नहीं है। सही नीति, मजबूत इच्छाशक्ति और सामूहिक प्रयास से इसे रोका जा सकता है। 2030 तक उत्पन्न होने वाला कचरा यदि वैज्ञानिक ढंग से प्रबंधित किया गया, तो वह संकट नहीं, बल्कि संसाधन बन सकता है। सरकार, उद्योग, वैज्ञानिक समुदाय और आम नागरिकों को मिलकर 'वेस्ट टू वेल्थ' की सोच अपनानी होगी। सौर ऊर्जा का भविष्य तभी उज्ज्वल और टिकाऊ होगा, जब वह पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार होगा। अन्यथा, सूर्य की रोशनी एक दिन अंधेरे की कहानी में बदल सकती है। आज लिया गया निर्णय ही आने वाली पीढ़ियों की दिशा तय करेगा।

प्रो. आरके जैन 'अरिजीत',
बड़वानी (मप्र)

आंचलिक

संत सेवालाल जयंती पर बाइक पर निकले 5 हजार युवा

दैनिक इंदौर संकेत

बुरहानपुर ● रविवार को बंजारा समाज के आराध्य संत सेवालाल महाराज की 287वीं जयंती पर विशाल बाइक रैली निकाली गई। बुरहानपुर से खड़कोद तक करीब 10 किलोमीटर लंबी इस रैली में 2500 बाइक पर 5 हजार युवा शामिल हुए। इस दौरान समाज के 84 टांडा से आए 10 हजार से अधिक लोगों को संतों ने नशा मुक्ति का संकल्प दिलाया। रैली सुबह 9 बजे रेणुका देवी मंदिर परिसर से शुरू हुई। यह मोहम्मदपुरा, सिंधी बस्ती, शनवारा, बस स्टैंड, राजपुरा और शिकारपुरा चौराहा होते हुए दोपहर में खड़कोद पहुंची। इसमें युवाओं के साथ महिलाएं भी पारंपरिक वेशभूषा में शामिल हुईं, जो बंजारा संस्कृति की झलक पेश कर रही थीं।

खड़कोद में खड़की नदी के पास स्थित संत सेवालाल देवस्थान पर पूजा-पाठ और भोग लगाया गया। यहां ध्वजारोहण के साथ हनुमान जी और शिव जी की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण कर पूजा-अर्चना की गई। इसके बाद आयोजित सम्मेलन में सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से बंजारा संस्कृति को दर्शाया गया। सम्मेलन में सरसपुरी महाराज ने बताया कि बुरहानपुर में देश का सबसे बड़ा संत सेवालाल महाराज मंदिर बन रहा है। उन्होंने कहा कि यहां से जो भी निर्णय पारित होगा, उसका पालन राष्ट्र के सभी बंजारा समाज को करना होगा। सरसपुरी महाराज ने संत सेवालाल को समाज सुधारक बताते हुए उनके सामाजिक रीति-रिवाजों को समाज हित में करने के प्रयासों का अनुसरण करने का आह्वान किया। इस दौरान समाजजन होली और संत सेवालाल महाराज के भजनों पर जमकर झूमे और भक्तों पर फूल बरसाए। कार्यक्रम का समापन सेवालाल महाराज की महाआरती और प्रसादी वितरण के साथ हुआ। करण पुरी महाराज ने कहा कि बंजारा समाज के नए युग की शुरुआत हो रही है और वे संत सेवालाल महाराज के वचनों पर चलकर सनातन संस्कृति की रक्षा के लिए सेवा करते रहेंगे।

अस्पताल में डॉक्टर नहीं, सड़कें खराब, पानी शुद्ध नहीं: कांग्रेस

दैनिक इंदौर संकेत

बुरहानपुर ●मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के आगमन से एक दिन पहले कांग्रेस ने भाजपा सरकार के विकास कार्यों पर सवाल उठाए हैं। प्रेस कांफ्रेंस में कांग्रेस नेता अजय सिंह रघुवंशी ने 700 करोड़ रुपए के विकास कार्यों को 'हवाबाजी' करार दिया और कई गंभीर आरोप लगाए। रघुवंशी ने कहा कि लोकार्पण से पहले ही इमारतों का पलस्तर गिर रहा है। उन्होंने जिले में नए उद्योग स्थापित न होने और मौजूदा उद्योगों के बंद होने का मुद्दा उठाया। कॉलेजों में नई फैकल्टी न आने और स्वास्थ्य विभाग में एक भी आंखों के डॉक्टर की कमी पर भी चिंता व्यक्त की गई। कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि अस्पताल में डॉक्टरों की पर्याप्त व्यवस्था नहीं है, जबकि स्वास्थ्य विभाग में 20 रुपए की टॉर्च 1000 रुपए में खरीदी गई, जिस पर आज तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। उन्होंने यह भी कहा कि शहर की धरोहरों, जैसे अस्पताल, तहसील और जनपद कार्यालयों को बेचकर 'पुनर्धनीत्वकरण' और 'कायाकल्प' के नाम पर अपने हित साधे जा रहे हैं। अजय रघुवंशी ने बताया कि शहर की जनता आज भी गंदा पानी पीने और टूटी-फूटी सड़कों पर चलने को मजबूर है। उन्होंने जल आवर्धन और अमृत योजना को पूरी तरह विफल बताया। पिछले 8 सालों से शहर के लोग दूषित पेयजल और खुदी हुई सड़कों से परेशान हैं, लेकिन उनकी कोई सुनवाई नहीं हो रही है। उन्होंने इंदौर के भागीरथपुरा की घटना से भी सरकार द्वारा सीख न लेने पर सवाल उठाया।

कांग्रेस ने यह भी पूछा कि क्या पावरलूम क्लस्टर केवल बड़े लोगों के लिए है, जबकि बुनकरों को विस्थापित किया जाना चाहिए था। रघुवंशी ने कहा कि कमलनाथ सरकार ने विकास के लिए 13 करोड़ रुपए दिए थे, लेकिन वर्तमान में ऐतिहासिक स्थलों तक जाने के रास्ते भी नहीं बन पाए हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि केवल अभिनंदन करने से बुरहानपुर का विकास नहीं होगा।

पुलिस पेट्रोल पंप शुरू, डीआईजी सिद्धार्थ बहुगुणा ने किया उद्घाटन

दैनिक इंदौर संकेत

बुरहानपुर ● जिले में निमाड़ रेंज के पुलिस उप महानिरीक्षक (डीआईजी) सिद्धार्थ बहुगुणा ने एक नए पुलिस पेट्रोल पंप का शुभारंभ किया। यह पेट्रोल पंप आम जनता के साथ-साथ पुलिस विभाग के वाहनों के लिए भी उपलब्ध रहेगा। डीआईजी बहुगुणा ने शनिवार शाम फीता काटकर और पूजा-अर्चना कर विधिवत इसका उद्घाटन किया। इस अवसर पर बुरहानपुर पुलिस अधीक्षक देवेंद्र पाटीदार, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अंतर सिंह कनेश, नगर पुलिस अधीक्षक गौरव पाटिल, रक्षित निरीक्षक सुनील दीक्षित, सभी थाना प्रभारी, पुलिस अधिकारी-कर्मचारी और बीपीसीएल (भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन) के एरिया मैनेजर सालेम अली अपनी टीम के साथ मौजूद रहे।

इस पेट्रोल पंप से क्षेत्र की जनता को सुविधाजनक, सुलभ और गुणवत्तापूर्ण ईंधन मिलेगा। वहीं, पुलिस विभाग के वाहनों के लिए ईंधन आपूर्ति सुचारु, पारदर्शी और समयबद्ध होगी, जिससे पुलिस की कार्यक्षमता और त्वरित प्रतिक्रिया प्रणाली मजबूत होगी।

पुलिस उपमहानिरीक्षक सिद्धार्थ बहुगुणा ने अपने संबोधन में कहा कि यह पेट्रोल पंप आत्मनिर्भर पुलिस व्यवस्था की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इससे राजस्व में वृद्धि होगी और पुलिस कल्याणकारी गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा। यह पेट्रोल पंप आधुनिक तकनीक से लैस है। इसमें डिजिटल भुगतान प्रणाली, शुद्धता मापक मशीन, सीसीटीवी निगरानी और अग्नि सुरक्षा मानकों का पालन किया गया है। यहां स्वद्युद्यद्य की सुविधा भी उपलब्ध है, जिसमें ग्राहक के त्तक्र कोड से भुगतान करते ही मशीन स्वचालित रूप से ईंधन भर देगी। इस दौरान डीआईजी ने पेट्रोल पंप परिसर का निरीक्षण किया और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बुरहानपुर पुलिस अधीक्षक देवेंद्र पाटीदार ने बताया कि इस पहल से पुलिस विभाग को ईंधन आपूर्ति में आत्मनिर्भरता मिलेगी।

बैलगाड़ी का रस्सा टूटा, कुएं में गिरी छकड़ा रेस के दौरान हादसा

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा ● छकड़ा रेस यानी बैलगाड़ी दौड़...इस आयोजन में जिस बैलगाड़ी ने दूसरा स्थान पाया और 31 हजार रूपए का ईनाम जीता वही बैलगाड़ी हादसे का शिकार हो गई। दरअसल, जीतने के बाद बैलगाड़ी के पहिये थमने वाले थे कि रस्सी टूट गई और वह अनियंत्रित होकर एक कुएं में जा गिरी। गनीमत रही कि बैलगाड़ी हांक रहे किसान ने कूदकर जान बचा ली। वहीं कुएं में गिरे बैलों को भी सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। हालांकि, बैलगाड़ी क्षतिग्रस्त हो गई। घटना शनिवार शाम की है। यह मामला खंडवा जिले के आदिवासी बाहुल्य खालवा क्षेत्र के ग्राम बोरखेड़ा का है। जहां जोगीबाबा मेले के आयोजन के दौरान शनिवार को छकड़ा रेस (बैलगाड़ी दौड़) का आयोजन किया गया। समिति ने इस दौड़ के लिए 3100 रूपए की एंट्री फीस तय की थी। साथ ही 7 तरह के पुरूस्कार दिए गए। दौड़ के दौरान भीलखेड़ी गांव की एक बैलगाड़ी ने दूसरा स्थान पाया। उसने 31 हजार रूपए का ईनाम जीता और फिर बैलगाड़ी आगे जाकर एक कुएं में गिर गई। ग्रामीणों ने रस्से की मदद से दोनों बैलों को खींचा और सुरक्षित बाहर निकाला। किसान ने पहले ही कूदकर खुद को सुरक्षित कर लिया था। गांव के चौकीदार राधे ने बताया कि, बोरखेड़ा वनग्राम में जनसहयोग से जोगी बाबा का मेला लगता हैं। इस मेले में बैलगाड़ी दौड़ के अलावा गम्मत और लोककला आधारित कई कार्यक्रम में होते हैं।

किटखेड़ी डैम पर विवाद में फायरिंग, 6 घायल, मछली पकड़ने को लेकर दो पक्षों में लाठी-डंडे चले

दैनिक इंदौर संकेत

आगर मालवा ● जिले के सुसनेर थाना क्षेत्र स्थित किटखेड़ी डेम पर रविवार को मछली पकड़ने को लेकर दो पक्षों में विवाद हो गया। इस दौरान लाठी-डंडे चले और फायरिंग भी हुई, जिसमें छह लोग घायल हो गए। घायलों में से तीन को बंदूक के छर्रे लगे हैं। सभी घायलों को तुरंत सिविल अस्पताल सुसनेर पहुंचाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद मोहन सिंह (28) पिता कालू सिंह सौन्ध्या, शिव नारायण (22) पिता बद्रीलाल, गोपाल (22) पिता बद्री सिंह मैना और चेतन (21) पिता विक्रम को गंभीर हालत में जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। अन्य घायलों का उपचार सुसनेर में चल रहा है।

घटना की जानकारी मिलते ही एडिशनल एसपी रविन्द्र बोयट और एसडीओपी देवनारायण यादव पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने स्थिति का जायजा लिया और संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस फिलहाल विवाद के मूल कारणों की विस्तृत जांच कर रही है। क्षेत्र में किसी भी अप्रिय घटना को रोकने और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है।

टी20 विश्वकप : यूएई के खिलाफ हर हाल में जीत हासिल करने उतरेगी अफगानिस्तान

नई दिल्ली (एजेंसी) ● अफगानिस्तान की टीम सोमवार को ग्रुप डी के अहम मुकाबले में अरब अमीरात (यूएई) के खिलाफ बड़ी जीत दर्ज करने उतरेगी। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मुकाबले में सुपर ओवर में हार के कारण अब उसे अंतिम आठ के लिए अपनी संभावनएं बरकरार रखने ये मैच हर हाल में जीतना होगा। वहीं यूएई ने पिछले मैच में कनाडा को हराकर अपनी पहली जीत दर्ज की थी जिससे उसका मनोबल बढ़ा हुआ रहेगा। ग्रुप डी में दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड छह और चार अंकों लेकर शीर्ष दो स्थानों पर हैं, ऐसे में यूएई को क्वालीफाई करने इस मैच में जीत हासिल करनी होगी। वहीं अफगानिस्तान दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ बेहद करीबी हार के बाद ये मैच जीतना चाहेगी। उसे अंतिम आठ में जगह बनाने अपने बचे हुए मैच बड़े अंतर से जीतने होंगे। इसके अलावा प्रतियोगिता में बने रहने के लिए अन्य मैचों के परिणामों पर भी निर्भर रहना होगा। इससे पहले न्यूजीलैंड ने यूएई को 10 विकेट से हराया था जबकि कनाडा के खिलाफ भी उसे कड़े संघर्ष के बाद जीत मिली थी।

कनाडा के खिलाफ यूएई के शीर्ष और मध्य क्रम के बल्लेबाज विफल रहे थे हालांकि सलामी बल्लेबाज आर्यंश शर्मा के 74 रनों से उसे जीत मिली। इसके अलावा शोएब खान ने 51 रन बनाये। यूएई के बल्लेबाजों के लिए अफगानिस्तान के कप्तान राशिद खान, मुजीब उर रहमान और मोहम्मद नबी का सामना करना कठिन रहेगा। यूएई के कप्तान मोहम्मद वसीम कहना है कि हमें सातवें से 15वें और 16वें ओवर तक बीच के ओवरों में अपनी बल्लेबाजी में सुधार करना होगा।यूएई की गेंदबाजी इकाई ने कनाडा के खिलाफ अच्छी गेंदबाजी की थी। तेज गेंदबाज जुनैद सिद्दीकी ने पांच विकेट लिए पर रहमानुल्लाह गुरबाज, गुलबदीन नायब और अजमतुल्लाह उमरजाई जैसे बल्लेबाजों को रोकना उनके लिए आसान नहीं रहेगा। गुरबाज ने पिछले मैच में 42 गेंदों में 84 रन बनाकर बनाकर आक्रामक बल्लेबाजी की थी जो वह अब भी जार रखना चाहेंगे।

आज श्रीलंका के ख़िलाफ ऑस्ट्रेलिया के लिए करो या मरो मुकाबला

पल्लेकेले (एजेंसी) ● ऑस्ट्रेलिया के पास अब गलती की कोई गुंजाइश नहीं है। श्रीलंका के खिलाफ़ हार के बाद भी वो गणितीय समीकरण से बाहर नहीं होंगे, लेकिन उसके बाद उनका आगे जाना दूसरी टीमों के मैच के परिणाम पर निर्भर करेगा। दूसरी तरफ़ श्रीलंका ने पहले दो मैचों में लगातार दो जीत दर्ज़ की थी और इस मैच में जीत उन्हें सीधे सुपर-8 में पहुंचा देगी। इस मैच में हार के बाद भी श्रीलंका के सामने ज़िम्बाब्वे के ख़िलाफ़ आख़िरी ग्रुप मैच में जीत हासिल कर आगे जाने का मौक़ा रहेगा। ऑस्ट्रेलिया की टीम इस टी-20 विश्व कप में खिलाड़ियों के चोटिल होने से परेशान है और उसके अलावा ज़िम्बाब्वे के ख़िलाफ़ हार ने उन्हें झकझोड़ दिया है। अब अगर वह ग्रुप स्टेज से ही बाहर होते हैं, तो उनके लिए यह बहुत बड़ा झटका होगा।

23 साल की उम्र में मिली कप्तानी थी सबसे कठिन परीक्षा : जेसन होल्डर

नई दिल्ली (एजेंसी) ● नई दिल्ली (ईएमएस)। वेस्टइंडीज के अनुभवी ऑलराउंडर जेसन होल्डर ने खुलासा किया है कि महज 23 वर्ष की उम्र में राष्ट्रीय टीम की कप्तानी संभालना उनके करियर का सबसे चुनौतीपूर्ण अनुभव था। होल्डर ने कहा कि उन्हें उस समय पता ही नहीं था कि कप्तानी सिर्फ मैदान पर फैसले लेने तक सीमित नहीं होती, बल्कि उसके साथ चयन प्रक्रियाएं, प्रशासनिक मुद्दे और मैदान के बाहर अनेक दबाव भी जुड़े होते हैं। उन्होंने स्वीकार किया कि वह अगर पहले जान पाते कि कप्तानी कितनी बड़ी जिम्मेदारी है, तो शायद इतनी जल्दी यह भूमिका नहीं निभाते। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि उन कठिन परिस्थितियों ने ही उन्हें मजबूत बनाया और उसी अनुभव ने उन्हें आज का इंसान बनाया है।

होल्डर ने बताया कि शुरुआत में वह कप्तानी को सरल मानकर चले थे, लेकिन जैसे-जैसे समय बीतता गया, उन्हें समझ आया कि वास्तविक चुनौतियां पिच के बाहर ज्यादा होती हैं। खिलाड़ियों को साथ लेकर चलना, टीम के चयन पर बातचीत, बोर्ड की अपेक्षाओं को संभालना और लगातार आलोचनाओं से जूझना उनके लिए मानसिक रूप से बेहद कठिन रहा। इसके बावजूद उन्होंने भरोसा नहीं खोया और जिम्मेदारी निभाते हुए टीम में अनुशासन और आत्मविश्वास बनाए रखने की कोशिश की। 2016 में वेस्टइंडीज के आईसीसी टी20 विश्वकप 2016 खिताब को उन्होंने अपने जीवन के सबसे खास पलों में से एक बताया। होल्डर ने कहा कि उस टूर्नामेंट की शुरुआत टीम के लिए उतनी सहज नहीं थी।

फिल्म 'सूबेदार' का 'लल्ला' गीत रिलीज

मुंबई (एजेंसी) ● अनिल कपूर अभिनीत फिल्म 'सूबेदार' के निर्माताओं ने फिल्म का लल्ला गीत जारी किया है। इस गीत को साझा करते हुए उन्होंने एक कड़ा संदेश भी दिया, सूबेदार की ओर से चेतावनी, लल्ला तू हमसे ना भिड़ियो। सूबेदार 5 मार्च को प्रदर्शित होगी। क्रिकेट हरभजन सिंह, सह-कलाकार राधिका मदान और शेफाली बग्गा की इस गीत में प्रभावी उपस्थिति है। देशभक्ति और समकालीन लोकप्रिय संस्कृति का मिश्रण यह गीत एक सैनिक के साहस, गौरव और अटूट भावना को दर्शाता है। इसकी तीव्र लय और प्रभावशाली दृश्यांकन दर्शकों पर गहरा प्रभाव छोड़ते हैं। इससे पहले सूबेदार के टीजर में अनिल कपूर के निभाए पात्र सूबेदार अर्जुन मौर्य की कहानी की झलक दिखाई गई थी। एक सेवानिवृत्त सैनिक जो तेजी से बदलती दुनिया के साथ तालमेल बिठाने की कोशिश कर रहा है। अर्जुन के लिए अपने अतीत से निकलना मुश्किल हो जाता है। वह शांतिपूर्ण जीवन जीने का भरसक प्रयास करता है, लेकिन अपराध, भ्रष्टाचार और अनसुलझे पारिवारिक तनाव उसे वापस संघर्ष की ओर खींच लेते हैं। सुरेश त्रिवेणी की निर्देशित फिल्म सूबेदार का प्रीमियर 5 मार्च को प्राइम वीडियो पर होगा।

दुबई में बतौर रियल एस्टेट एजेंट काम कर रही रिमी सेन

मुंबई (एजेंसी) ● हास्य फिल्म 'हंगामा' में भोली-भाली अंजलि का मासूम किरदार, जिसे रिमी सेन ने निभाया था, दर्शकों के बीच बेहद लोकप्रिय हुआ। उनकी सादगी और नैचुरल एक्टिंग ने इस भूमिका को खास बना दिया था। लेकिन लंबे समय से रिमी सेन बड़े पर्दे से दूर हैं और उनकी जिंदगी में अब काफी बदलाव आ चुका है। अभिनय से दूरी बनाने के बाद रिमी ने एक बिल्कुल नए क्षेत्र रियल एस्टेट में कदम रखा है। आज वह दुबई में बतौर रियल एस्टेट एजेंट काम कर रही हैं और इस इंडस्ट्री में अपनी मजबूत पहचान बना चुकी हैं। वह न केवल दुबई बल्कि अन्य शहरों में भी अपना बिजनेस विस्तार करने की योजना बना रही हैं। उनके इंस्टाग्राम अकाउंट पर रियल एस्टेट इवेंट्स, प्रॉपर्टी शोकेस और बिजनेस से जुड़े वीडियो भरे पड़े हैं। पर्दे से दूर होने के बावजूद रिमी की लोकप्रियता कम नहीं हुई, सोशल मीडिया पर उन्हें 1 मिलियन से ज्यादा लोग फॉलो करते हैं।

उज्जैन संभाग

महाकाल मंदिर में देर रात तक चला चार प्रहर का पूजन; रात 11 बजे बंद होंगे पट

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● महाशिवरात्रि पर्व की रात भगवान महाकालेश्वर मंदिर में चार प्रहर के पूजन-अभिषेक और अनुष्ठान के बाद सोमवार को भगवान महाकाल को सेहरा अर्पित किया जाएगा। इस दौरान वर्ष में एक बार दोपहर में होने वाली भस्म आरती में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल होंगे।रविवार रात भगवान महाकालेश्वर मंदिर में रात 10:30 बजे से चार प्रहर का पूजन हुआ। इसमें एकादश-एकादशनी रुद्रपाठ व विभिन्न मंत्रों के माध्यम से 11 ब्राह्मणों द्वारा देवादिदेव भगवान का अभिषेक किया है। इसके पश्चात पांच प्रकार के फलों के रस से अभिषेक हुआ।इसके बाद पंचामृत पूजन किया गया, जिसमें दूध, दही, घी, शहद, खांडसारी शक्कर, गंगाजल, गुलाब जल, भांग के साथ केसर मिश्रित दूध से अभिषेक किया है। भगवान को नवीन वस्त्र धारण और सप्तधान्य का मुखारविंद धारण कराया गया।

श्री महाकालेश्वर जी को सप्तधान्य अर्पित किए गए, जिनमें चावल, खड़ा मूंग, तिल, गेहूं, जौ, साल और खड़ा उड़द शामिल रहे। सप्तधान्य अर्पण के बाद पुष्प मुकुट शृंगार आरती हुई। पुजारी आशीष शर्मा ने बताया कि श्री महाकालेश्वर मंदिर के पुजारियों द्वारा भगवान श्री महाकालेश्वर का शृंगार कर पुष्प मुकुट (सेहरा) बांधा गया। भगवान को चंद्र मुकुट, छत्र, त्रिपुंड और अन्य आभूषणों से श्रृंगारित किया है। सेहरा आरती के बाद भगवान को विभिन्न मिष्ठान्न, फल और पंचमेवा का भोग अर्पित किया गया।

प्रात: सेहरा दर्शन के उपरांत वर्ष में एक बार दिन में दोपहर 12 बजे होने वाली भस्म आरती होगी। भस्म आरती के बाद भोग आरती संपन्न होगी तथा शिवनवरात्रि का पारणा किया जाएगा। इसके बाद महाकाल मंदिर में शाम को पूजन, शयन आरती के पश्चात भगवान श्री महाकालेश्वर जी के पट मंगल होंगे। बाबा महाकाल का सेहरा सुबह 11 बजे उतारा जाएगा। भगवान के आभूषण, मुखारविंद और वस्त्र बाहर निकालने के बाद दोपहर 12 बजे से 2 बजे तक भस्म आरती होगी। इसके आधे घंटे बाद दोपहर 2:30 बजे से 3 बजे तक भोग आरती संपन्न होगी।

भोग आरती के पश्चात ब्राह्मण भोजन नवनिर्मित श्री महाकालेश्वर नि:शुल्क अन्नक्षेत्र में होगा। भोजन उपरांत ब्राह्मणों को दक्षिणा प्रदान की जाएगी। संध्या पूजन शाम 5 बजे से 5:45 बजे तक होगा। इसके बाद संध्या आरती शाम 6:30 बजे से 7:15 बजे तक होगी। वहीं शयन आरती रात 10:30 बजे से और रात 11 बजे भगवान के पट मंगल होंगे। महाशिवरात्रि के अवसर पर उज्जैन स्थित महाकालेश्वर मंदिर में श्रद्धालुओं का भारी सैलाब उमड़ा। अब तक 4 लाख से अधिक भक्त भगवान महाकाल के दर्शन कर चुके हैं। रविवार का दिन होने से भीड़ में लगातार इजाफा हो रहा है और देर रात तक संख्या और बढ़ने का अनुमान है। शहर के होटल, लॉज और होम-स्टे पहले ही फुल हो चुके हैं।

महाशिवरात्रि:4.78 लाख भक्तों ने किए महाकाल के दर्शन

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● बारह ज्योतिर्लिंग में तृतीय महाकालेश्वर मंदिर में महाशिवरात्रि पर रविवार को उल्लास छाया रहा। रात 2.30 बजे पट खुलते ही आठ कतारों में श्रद्धालु पहुंचे। भस्मआरती के बाद दद्योदक व भोग आरती हुई। मंदिर प्रशासन के अनुसार शाम 5 बजे तक 3,96,278 और रात 7 बजे तक 4,78,943 श्रद्धालुओं ने दर्शन किए। शिखर पर नवीन ध्वजा अर्पित की गई। रात 10.30 बजे से महाअभिषेक, रुद्रपाठ और पंचामृत पूजन हुआ। सोमवार को शयन आरती तक दर्शन जारी रहेंगे। सोमवार सुबह सेहरा दर्शन होंगे। पुजारी महाकाल का पुष्प मुकुट, चंद्र मुकुट, छत्र व त्रिपुंड से शृंगार करेंगे। विभिन्न मिष्ठान व पंचमेवा का भोग अर्पित होगा। वर्ष में एक बार होने वाली विशेष भस्मआरती दोपहर 12 बजे संपन्न होगी। श्रद्धालुओं में इसे लेकर विशेष उत्साह है और सुबह से ही दर्शन के लिए कतारें लगने की संभावना है। ओंकारेश्वर में महाशिवरात्रि पर भगवान ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग के दर्शन के लिए सुबह से कतारें रहीं। करीब 90 हजार श्रद्धालुओं ने दर्शन किए। रात 3 बजे पूजन के बाद कपाट खुले। दोपहर 12 बजे पीएमश्री हेलीकॉप्टर से मंदिर पर पुष्पवर्षा हुई। पंचामृत पूजन, मंगला आरती व फलाहारी भोग अर्पित किया गया। मोरटक्का-ओंकारेश्वर किराया 20 रुपए तय किया।

वाहन मेला :पहले दिन 2 वेरिफिकेशन 19 मार्च तक लगेगा

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● उज्जयिनी विक्रम व्यापार (वाहन) मेला 2026 का रविवार को शुभारंभ हुआ। पहले दिन केवल दो वाहनों के वेरिफिकेशन हुए। सोमवार को सेल लेटर सामने आने पर पता चलेगा कि पहले दिन कितने वाहन बिके थे। वाहन मेला इंजीनियरिंग कॉलेज में 19 मार्च तक रोजाना सुबह 11 बजे से लगेगा। मेले से वाहन खरीदने पर उपभोक्ताओं को मोटरयान कर में 50 प्रतिशत की छूट का लाभ मिलेगा। रविवार को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मेले का शुभारंभ किया। मोटरयान कर में 50 प्रतिशत की छूट के लाभ के लिए लोग वर्षभर इसका इंतजार करते हैं। उज्जैन में दो वर्ष वाहन मेला लग रहा है। हर वर्ष उपभोक्ताओं में मेले के प्रति रुचि व खरीदी का आंकड़ा भी बढ़ता रहा है। उम्मीद की जा रही है कि इस बार तीसरे वर्ष के मेले में पिछले दोनों साल का रिकॉर्ड टूटेंगे। मेले में फोर व्हीलर के करीब 123 और टू व्हीलर की लगभग 40 अस्थाई शोरूम लग रहे हैं।

विक्रमनगर सहित 5 कॉलोनियों में होंगे नल कनेक्शन

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● शहर के विक्रमनगर क्षेत्र की गांधीनगर सहित आसपास की 5-6 कॉलोनियों के करीब 400 परिवारों को सात साल बाद पानी की समस्या से राहत मिलने जा रही है। नगर निगम ने मेसर्स भारत एलम् कंपनी को पाइपलाइन बिछाने और नल कनेक्शन देने का वर्कऑर्डर जारी कर दिया है। निगम अधिकारियों के अनुसार इसी माह काम शुरू हो जाएगा और अगली गर्मी तक नल कनेक्शन पहुंचाने का लक्ष्य रखा है। गौरतलब है कि वर्ष 2019 में विक्रमनगर में 2 करोड़ 17 लाख रुपए की लागत से साढ़े पांच लाख गैलन क्षमता की पानी की टंकी बनाई गई थी। इस टंकी से विक्रमनगर, विवि कैंपस, भर्तृहरि नगर, रेलवे कॉलोनी और 3 नंबर नाका क्षेत्र को जोड़ने की योजना थी। पाइपलाइन का कुछ कार्य हुआ, लेकिन रेलवे लाइन पार अनुमति नहीं मिलने से काम अटक गया। इसके बाद वर्षों तक रहवासी टैंकरों पर निर्भर रहे। अब नल कनेक्शन होने से रोज ही टैंकर के भरोसे रहने से निजात मिलेगी। लोगों का रोज पानी से परेशान होने पर खर्च होने वाला समय बचेगा। पार्षद सुलेखा वशिष्ठ ने बताया कि 7 से 8 दिन में काम शुरू हो जाएगा, जिससे क्षेत्रवासियों को परेशान नहीं होना पड़ेगा। सुबह से शाम तक रोज लग रहे 10 टैंकर पानी वर्तमान में निगम रोजाना सुबह से शाम तक लगभग 10 पानी के टैंकर भेज रहा है। रहवासियों ने बताया कि टैंकर आते ही बाल्टी-ड्रम लेकर लाइन में लगना पड़ता है। एक दिन देरी होने पर पूरे घर की दिनचर्या बिगड़ जाती है। कई बार पीने का पानी खरीदना पड़ता है। निगम के बजट 2025-26 में 64 लाख रुपए के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। टेंडर प्रक्रिया पूरी कर अब वर्कऑर्डर जारी कर दिया है। रेलवे से भी अनुमति मिल चुकी है। 7 साल से चल रही मशक्कत के बाद अब रहवासियों को उम्मीद है कि छह माह में नलों से पानी आएगा और टैंकरों से स्थायी छुटकारा मिलेगा।

न्यूज ब्रीफ

मध्यप्रदेश वित्त निगम के समाधान शिविर 17 एवं 18 फरवरी को

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● मध्य प्रदेश वित्त निगम द्वारा ऋण खातों के निराकरण एवं वसूली संबंधी मामलों के समाधान हेतु 17 एवं 18 फरवरी को विशेष समाधान शिविर इंदौर सहित भोपाल और जबलपुर में आयोजित किए गए हैं। यह दो दिवसीय शिविर दोपहर 12 बजे से शाम 5:30 बजे तक आयोजित होंगे। निगम द्वारा समस्त ऋणधारकों से अपील की गई है कि वे इन शिविरों का अधिकतम लाभ उठाते हुए अपने प्रकरणों का निराकरण कराए। शिविर में समस्त आरआरसी प्रकरणों का एक मुश्त निपटारा किया जाएगा। प्रबंध संचालक मध्यप्रदेश वित्त निगम श्रीमती वंदना वैद्य ने बताया कि उक्त समाधान शिविर इंदौर में गीता भवन चौराहा स्थित प्रधान कार्यालय फाइनेंस हाउस ए.बी. रोड में आयोजित होगा। साथ ही ऐसे शिविर भोपाल में प्लेटिनम प्लाजा टी.टी. नगर B-6 द्वितीय तल स्थित जोनल कार्यालय तथा जबलपुर में पचपेड़ी साउथ सिविल लाइन्स स्थित जोनल कार्यालय में भी आयोजित किए गए हैं।

प्रतिभा सम्मान समारोह में 101 विद्वान, विदुषी और प्रतिभाशाली विभूतियां होंगी सम्मानित

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● आगामी 22 मार्च (रविवार) दोपहर 1 बजे से जीपीओ चौराहा स्थित महादेवी पुस्तकालय हॉल में प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया जाएगा। दी ओपन स्टेज टेलेंट शो के जितेंद्र शिवहरे ने बताया कि शहर और आसपास के जिलों की लगभग 101 से विद्वान, विदुषी और प्रतिभाशाली विभूतियां सम्मानित की जाएंगी। सम्मानित अवसर के फोटो और वीडियो नि:शुल्क दिए जायेंगे। भोजन की व्यवस्था नि:शुल्क रहेगी। पंजीयन की अंतिम तिथि 28 फरवरी है। इच्छुक विद्वान महानुभाव स्वयं अथवा अन्य व्यक्ति विशेष का पंजीयन करवा सकते हैं। 7746842533 नंबर पर संपर्क करें। उक्त जानकारी जितेंद्र शिवहरे ने दी।

होली बाद आईएएस-आईपीएस के तबादले, प्रदेश के कलेक्टर-एसपी हटेंगे

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● होली के बाद मध्यप्रदेश में एक और प्रशासनिक सर्जरी की तैयारी है। इस बार आईएएस और आईपीएस दोनों की लिस्ट आएगी। प्रदेश में एसआईआर के बाद प्रशासनिक स्तर पर कलेक्टरों के तबादले हो सकते हैं। होली के बाद बड़े पैमाने पर मध्यप्रदेश में प्रशासनिक बदलाव की संभावना जताई जा रही है। भोपाल, ग्वालियर, शिवपुरी और अन्य जिलों के कलेक्टर बदले जा सकते हैं। छह जिलों के एसपी बदलने की भी संभावना बढ़ी है। विधानसभा सत्र के बाद नए अधिकारियों की जॉइनिंग का तेजी से काम होगा। जनगणना से पहले ये बदलाव किए जाने की संभावना है। मप्र में एसआईआर के बाद प्रशासनिक स्तर पर बड़े बदलाव होने की संभावना है। कलेक्टरों की जगह पर नए अधिकारियों की नियुक्ति की जाएगी। इस बदलाव का मुख्य कारण प्रशासनिक लापरवाही, पदोन्नति और कार्यकाल पूरा होना बताया जा रहा है। भोपाल, ग्वालियर और शिवपुरी जैसे बड़े जिलों के कलेक्टरों के तबादले (आईएएस ट्रांसफर) की चर्चा है। इन कलेक्टरों को हटाए जाने की वजह उनके कार्यकाल और प्रशासनिक कार्यों में कमी बताई जा रही है। उदाहरण के तौर पर, ग्वालियर कलेक्टर रुचिका चौहान को भी प्रशासनिक लापरवाही के लिए जिम्मेदार ठहराया गया था। इसके अलावा भोपाल कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह, जो पदोन्नति के बाद सचिव पद पर जाने वाले हैं, ये भी जल्द तबादले का सामना कर सकते हैं। इन बदलावों को एक मई से प्रस्तावित जनगणना से पहले जरूरी माना जा रहा है। प्रशासनिक स्तर पर बदलाव के साथ ही नए अधिकारियों की जॉइनिंग की प्रक्रिया भी जल्दी की जाएगी।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के शहडोल प्रवास के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर लाठीचार्ज के मामले में शहडोल कलेक्टर डॉ. केदार सिंह का नाम सामने आया था। कांग्रेस इस मुद्दे को लेकर आक्रामक रुख अपना सकती है।

इनका नाम चर्चा में...

गृह मंत्रालय के सूत्रों के मुताबिक, एडिशनल कमिश्नर ऑफ पुलिस भोपाल अवधेश गोस्वामी, डीआईजी राकेश कुमार सगर, मनोज कुमार राय, आरएस बेलवंशी, रियाज इकबाल, राहुल लोधा, सिमाला प्रसाद, असित यादव, मयंक अवस्थी, कुमार प्रतीक, शिवदयाल और लेंद्र सिंह चौहान का ट्रांसफर तय है। वहीं, शाजापुर जिले में तैनात यशपाल सिंह राजपूत को किसी बड़े जिले का एसपी बनाए जाने की संभावना है।

उनकी कार्रवाई की मांग कर सकती है। हालांकि, डॉ. सिंह का इस साल रिटायरमेंट भी हो सकता है। यदि राजनीतिक दबाव प्रभावी नहीं होता, तो वे रिटायरमेंट तक पद पर बने रह सकते हैं। कई कलेक्टरों का तीन साल का कार्यकाल भी पूरा हो चुका है। शिवपुरी कलेक्टर रविंद्र कुमार चौधरी और सीधी कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी का कार्यकाल पूरा होने वाला है। उनके रिटायरमेंट की तारीख भी तय है। इस बीच, रीवा कलेक्टर प्रतिभा पाल का कार्यकाल भी पूरा होने वाला है, और उन्हें नई जिम्मेदारी दी जा सकती है। बता दें कि मप्र में इस समय एसआईआर यानी विशेष गहन पुनरीक्षण का काम जारी है। स्ट्रक्र के पहले चरण में जिन वोटर्स के नाम काट दिए गए थे, उनके दावे-आपत्तियां मांगी जा रही हैं। चूंकि कलेक्टर जिला निर्वाचन अधिकारी की जिम्मेदारी भी संभालते हैं, इसलिए उनका सीधे तौर पर तबादला नहीं किया जा सकता। अगर विशेष परिस्थिति में ट्रांसफर करना भी पड़े तो निर्वाचन आयोग से अनुमति लेनी होती है। जैसे हाल ही में अशोकनगर कलेक्टर आदित्य सिंह के मामले में हुआ था।

महिला आईएएस अधिकारियों के तबादले

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, प्रदेश के 17 जिलों में महिला आईएएस अधिकारियों और कलेक्टरों के तबादले भी हो सकते हैं। इन बदलावों के जरिए प्रशासन को और मजबूत किया जाएगा।

पुलिस महकमे में भी बदलाव की तैयारी

मध्यप्रदेश के पुलिस महकमे में भी बड़ा फेरबदल होने वाला है। आईपीएस अधिकारियों की ट्रांसफर लिस्ट (आईपीएस ट्रांसफर) तैयार हो चुकी है। फाइनल अप्रूवल का इंतजार है। गृह विभाग के सूत्रों के अनुसार, जल्द ही लिस्ट जारी कर दी जाएगी। इसमें कई सीनियर अधिकारियों को उनकी मूल पोजीशन पर भेजा गया है, जबकि जूनियर्स के लिए जगहें खाली की गई हैं।

छह जिलों में एसपी बदलने की तैयारी

रीवा, धार, झाबुआ, खंडवा और भिंड समेत करीब 6 जिलों के पुलिस अधीक्षक (एसपी) बदल दिए जाएंगे। गृह विभाग मंत्रालय ने भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारियों की ट्रांसफर लिस्ट तैयार की है। इसमें वे अधिकारी शामिल हैं, जिन्होंने अपना काम सफलतापूर्वक पूरा नहीं किया। जिनके इलाकों में विवाद हुए या जिनका प्रमोशन हो चुका है, लेकिन वे अभी भी पुरानी कुर्सी पर डटे हुए हैं।

नगर निगम को भूमाफिया ने दी चुनौती, अवैध कॉलोनी के लगे बोर्ड पोत दिए

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● निगम ने गौरी नगर, कबीटखेड़ी समेत कई इलाकों में अवैध कॉलोनियों के खिलाफ बोर्ड लगाए थे। भूमाफिया सरकारी जमीन, ग्रीन बेल्ट पर अवैध कॉलोनियां काटते हैं। निगम ने अवैध कॉलोनियों के निर्माण पर रोक लगाने के लिए सख्त कदम उठाए। सीएम मोहन यादव ने अवैध कॉलोनियों के विस्तार को रोकने के निर्देश दिए हैं।

इंदौर में अवैध कॉलोनी काटने वाले और सरकारी जमीन, ग्रीन बेल्ट पर कब्जा करने वाले भूमाफिया के हौंसले बुलंद है। इस बार इन्होंने सीधे नगर निगम को चुनौती दी है। निगम ने दो दिन पहले ही अवैध कॉलोनियों पर चेतावनी वाले बोर्ड लगाए थे। लेकिन अब भूमाफिया ने इन बोर्ड को पोतना शुरू कर दिया है।

दरअसल इंदौर में अवैध कॉलोनियों का जाल फैला हुआ है। भूमाफिया सरकारी जमीन, ग्रीन बेल्ट व अन्य उपयोग की खाली पड़ी जमीन देखकर वहां प्लॉट काट देते हैं। सीधे प्लॉट काटकर कच्ची जमीन नोटरी कराकर बेच दी जाती है। इस तरह भूमाफिया इन सरकारी जमीन से करोड़ों रुपए कमाते हैं। सीएम मोहन यादव अवैध कॉलोनियों के विस्तार रोकने पर सख्त है। निगम ने इसे रोकने के लिए करीब दर्जन भर कॉलोनियां चिन्हित कर अवैध कॉलोनी के बोर्ड लगाए थे।

निगम ने इन बोर्ड पर चेतावनी लिखवाई थी। इसमें था कि इस भूमि पर निगम निगम ने निर्माण के लिए अनुमति जारी नहीं की। किसी भी तरह का निर्माण, विकास और अवैध भूखंड की खरीदी-बिक्री प्रतिबंधित है। निगम एक्ट 1956 की धारा 292 (ग) में दंडनीय अपराध है। इसलिए भूखंड की खरीदी-बिक्री नहीं करें। इसे अब भूमाफिया ने पोत दिया है। इसकी शुरूआत वार्ड 20 के गौरीनगर में हुई है, जहां निगम ने इस तरह का बोर्ड लगाया था। यहां पर नाले के किनारे की जमीन पर प्लॉट काटकर बेचे जा रहे हैं।

यह बोर्ड गौरी नगर, कबीटखेड़ी, सिरपुर बिलावाली, रेवती रेंज व अन्य एरिया की सरकारी जमीन, ग्रीन बेल्ड जमीन, नाले के किनारे की जमीन पर लगाए गए हैं। यहां नियमानुसार कॉलोनी नहीं काटी जा सकती है। निगमायुक्त आईएएस क्षितिज सिंघल का कहना है कि सीएम का साफ निर्देश है कि अवैध कॉलोनियों का निर्माण नहीं हो। इसी तहत यह कार्रवाई की गई है। बोर्ड लगाने के पीछे कारण है कि आमजन को पता रहे कि यह अवैध कॉलोनी है, यहां पर प्लाट नहीं लिए जाएं।

एमबीए छात्रा की हत्या के बाद क्लासमेट ने शराब पी, लाश से दुष्कर्म कर भागा

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर के द्वारकापुरी में एमबीए छात्रा का नग्न शव मिलने और हत्या के मामले में पुलिस ने आरोपी को हिरासत में ले लिया है। जांच में एक चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। आरोपी ने हत्या के बाद छात्रा के शव के साथ दुष्कर्म किया। इंदौर में द्वारकापुरी एरिया में एमबीए छात्रा के नग्न शव मिलने और हत्या के मामले में क्लासमेट को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। पुलिस उसे मुंबई से इंदौर ला रही है। वहीं अभी तक की जांच में चौंकाने वाला खुलासा हुआ है।

क्लासमेट पीयूष धामनोदिया ने छात्रा की हत्या के पहले शारीरिक संबंध बनाए थे। हत्या के बाद बाहर जाकर शराब पी और फिर आकर शव के साथ दुष्कर्म किया था। इसके बाद कपड़े लेकर भाग गया।

पुलिस जांच में सामने आया कि सितंबर 2025 से ही छात्रा और आरोपी पीयूष आपस में संबंध में थे। पीयूष ने छात्रा के साथ शादी का बोलकर संबंध बनाए थे। इसके बाद शादी के लिए दबाव आने पर उसने हत्या करने का फैसला लिया। पीयूष छात्रा को 10 फरवरी को अंकल गली द्वारकापुरी में अपने कमरे में ले गया। वहां आराम से बातचीत की। पीयूष ने छात्रा को मैगी बनाकर भी खिलाई। इसके बाद शादी की बात हुई तो पीयूष को गुस्सा आ गया। पीयूष ने मजाक करते हुए छात्रा के हाथ बांध दिए और फिर गला दबा दिया। आवाज नहीं आए इसके लिए मुंह में कपड़ा ठूंसा और फिर चाकू भी मार दिया। आरोपी हत्या के बाद एरिया के वाइन शॉप पर गया और शराब पीकर आया। इसके बाद फिर दोबारा मृत छात्रा के शरीर के साथ दुष्कर्म जैसा अमानवीय कृत्य किया। फिर छात्रा के सभी कपड़े उठाकर भाग भी गया। पीयूष हत्या के बाद मुंबई भाग गया था। वहां पर मेट्रो में घूमता रहा। पीयूष ने एक जगह मेट्रो स्टेशन पर अंधेरी पुलिस थाने का बोर्ड देखा। वहां जाकर पुलिस को अपना परिचय देकर कहा कि मैंने अपनी साथी की हत्या की है। उसी समय उसकी मोबाइल लोकेशन पर इंदौर पुलिस की टीम भी मुंबई में थी।। पुलिस से सूचना मिलने पर टीम पहुंची और उसे हिरासत में ले लिया है। पीयूष ने पुलिस को बताया कि वह लगातार शादी के दबाव से परेशान था। इसके लिए उसने छात्रा को बदनाम करने के लिए वीडियो बनाकर कॉलेज के ग्रुप पर डाल दिए थे। इसके बाद भी वह शादी की जिद पर थी। इसलिए हत्या कर दी।

निगम की नई पहल- रोबोटिक तकनीक से होगा ड्रेनेज प्रणाली का वैज्ञानिक निरीक्षण

सीएसआर के तहत एक माह तक किया जाएगा कार्य

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● शहर की ड्रेनेज व्यवस्था को अधिक आधुनिक, सुरक्षित और प्रभावी बनाने की दिशा में इंदौर नगर निगम ने एक अभिनव पहल की है। इस योजना के तहत अत्याधुनिक रोबोटिक मशीनों की सहायता से ड्रेनेज चेंबर और ड्रेनेज लाइनों का वैज्ञानिक निरीक्षण किया जा रहा है। महापौर पुष्यमित्र भार्गव एवं आयुक्त क्षितिज सिंघल ने बताया कि यह कार्य इंटरनेशनल वेस्ट मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड (आईडब्ल्यूएम) द्वारा अमेरिकी कंपनी फ्यूड एलायटिक लि. के सहयोग से कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (सीएसआर) के अंतर्गत किया जा रहा है।

ड्रेनेज निरीक्षण में क्या-क्या होगा-इस रोबोटिक निरीक्षण कार्य की शुरुआत 13 फरवरी की रात 10 बजे देवास नाका चौराहा से की गई है। यह कार्य एक माह तक शहर के विभिन्न क्षेत्रों में किया जाएगा। इस आधुनिक तकनीक के माध्यम से-

पूरे ड्रेनेज नेटवर्क की जियो-टैगिंग-रोबोटिक मशीन अत्याधुनिक कैमरों और सेंसर से लैस होगी, जो पाइपलाइन के अंदर जाकर रियल-टाइम डेटा उपलब्ध कराएगी। इससे ड्रेनेज प्रणाली की वास्तविक स्थिति का वैज्ञानिक विश्लेषण संभव हो सकेगा। इस पहल से मैन्युअल निरीक्षण की आवश्यकता कम होगी, जिससे सीवर कर्मियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सकेगी। साथ ही ड्रेनेज से जुड़ी समस्याओं की समय रहते पहचान कर उनका त्वरित समाधान किया जा सकेगा। इससे रखरखाव कार्य अधिक प्रभावी, पारदर्शी और योजनाबद्ध रूप से किया जा सकेगा। आयुक्त क्षितिज सिंघल ने बताया कि नगर निगम लगातार नई तकनीकों को अपनाकर शहर की स्वच्छता और आधारभूत संरचना को मजबूत कर रहा है। भविष्य में यह रोबोटिक प्रणाली पूरे शहर के ड्रेनेज नेटवर्क के रखरखाव में अहम भूमिका निभाएगी।

गौतमपुरा रोडरेलवे स्टेशन का होगा कायाकल्प, 150 से अधिक गांवों के यात्रियों को मिलेगी सुविधा

फुट ओवरब्रिज व वर्तमान प्लेटफॉर्म की ऊंचाई बढ़ाने को मिली मंजूरी

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

गौतमपुरा ● क्षेत्र की जनता के लिए एक बड़ी खुशखबरी है। लंबे समय से उपेक्षित गौतमपुरा रोड (चंबल) रेलवे स्टेशन का कायाकल्प होने वाला है। रेलवे विभाग ने स्टेशन पर फुट ओवर ब्रिज, अतिरिक्त प्लेटफॉर्म और वर्तमान प्लेटफॉर्म की ऊंचाई बढ़ाने के कार्यों को औपचारिक स्वीकृति दे दी है। इस निर्णय से 150 से अधिक गांवों के यात्रियों को लाभ मिलेगा।

गौतमपुरा रोड रेलवे स्टेशन इस तहसील और आसपास के डेढ़ सौ गांवों के लिए एकमात्र सहारा है। ट्रेनों की क्रॉसिंग के समय फुटओवर ब्रिज और दूसरे प्लेटफॉर्म के न होने से यात्रियों को

जान जोखिम में डालकर पटरी पार करनी पड़ती थी। विशेषकर दिव्यांगों और बुजुर्गों के लिए ऊंचा प्लेटफॉर्म न होने के कारण ट्रेन में चढ़ना-उतरना किसी बड़ी चुनौती से कम नहीं था। पिछले 13 वर्षों से क्षेत्रवासी इन सुविधाओं की मांग कर रहे थे। प्रमोद सक्सेना और टीम की अहम भूमिका समस्या को सुलझाने का बीड़ा नगर भाजपा अध्यक्ष प्रमोद सक्सेना ने ओर उनकी टीम ने उठाया था। उन्होंने अपने संकल्प को धरातल पर उतारने के लिए एक मजबूत टीम तैयार की, जिसमें नगर परिषद अध्यक्ष प्रतिनिधि गगन बाहेती, पार्षद प्रतिनिधि अब्बू भाटी, सरपंच प्रतिनिधि प्रभु गुर्जर और मजबूत कार्यकर्ता पवन चौधरी शामिल रहे। इस टीम ने न केवल कागजी कार्रवाई की, बल्कि शासन और प्रशासन के बीच सेतु का काम किया। टीम ने क्षेत्र की पीड़ा को सांसद शंकर लालवानी के समक्ष पुरजोर तरीके से रखा। 15 जनवरी को इस टीम ने सांसद से मिलकर जनता का पक्ष रखा, जिसके बाद सांसद लालवानी ने तत्काल रतलाम मंडल रेल प्रबंधक को पत्र लिखकर आवश्यक कार्रवाई का आग्रह किया।

डीआरएम कार्यालय में की प्रभावी पैरवी-सांसद के पत्र के बाद, 16 जनवरी को यह चार सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल रतलाम स्थित डीआरएम कार्यालय पहुंचा। टीम ने मंडल रेल प्रबंधक अश्वनी कुमार से मुलाकात कर स्टेशन की जमीनी हकीकत और यात्रियों के दर्द को प्रभावी ढंग से रखा। डीआरएम ने मामले की गंभीरता को समझते हुए तत्काल तकनीकी टीम से रिपोर्ट मांगी।

जबलपुर में भागवत कथा बीच में छोड़ गए उत्तम स्वामी

ब्रह्म मुहूर्त में रेंज रोवर से रवाना, ठिकाने पर सस्पेंस

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

जबलपुर ● रेप के आरोपों के बाद उत्तम स्वामी महाराज कथा बीच में छोड़कर चले गए। ब्रह्म मुहूर्त में रेंज रोवर से हुए रवाना, उनके ठिकाने को लेकर रहस्य बना हुआ है। राजस्थान की युवती ने उत्तम स्वामी पर दुष्कर्म के गंभीर आरोप लगाए। 12 फरवरी को दिल्ली पुलिस कमिश्नर को ई-मेल भेजकर सुरक्षा की मांग। जबलपुर के हीरापुर बंधा में चल रही कथा बीच में छोड़कर ब्रह्म मुहूर्त में रवाना। 4 बजे तक इंतजार के बाद यज्ञ आचार्य तिवारी महाराज ने संभाली कथा। आयोजकों ने स्वास्थ्य खराब होने की दी दलील, लेकिन ठिकाने को लेकर कोई पुष्टि नहीं।

जबलपुर में चल रही श्रीमद् भागवत कथा उस समय चर्चा का विषय बन गई जब दुष्कर्म के आरोपों से घिरे कथावाचक उत्तम स्वामी अचानक आयोजन स्थल से गायब हो गए। ब्रह्म मुहूर्त में रेंज रोवर से रवाना होने की चर्चा के बीच उनके ठिकाने को लेकर तरह-तरह की बातें सामने आ रही हैं। आरोपों के सार्वजनिक होने के बाद कथा वाचन अब अन्य कथावाचकों द्वारा किया जा रहा है।

आरोपों के बीच कथा अधूरी-भेड़ाघाट के पास हीरापुर बंधा ग्राम में 9 फरवरी से 15 फरवरी तक चल रहे श्रीमद् भागवत कथा महोत्सव एवं सहस्त्र चंडी यज्ञ अनुष्ठान के दौरान यह घटनाक्रम सामने आया। श्रद्धालुओं

के अनुसार, शुरुआती तीन दिनों तक उत्तम स्वामी ने कथा वाचन किया, लेकिन उसके बाद से वह मंच पर दिखाई नहीं दिए। आरोप सामने आने के बाद उन्होंने कथा बीच में ही छोड़ दी। यह बात अब तय मानी जा रही है।

मौके पर मौजूद लोगों के मुताबिक, उत्तम स्वामी ब्रह्म मुहूर्त में अपनी रेंज रोवर से आयोजन स्थल से निकल गए। कुछ लोगों का दावा है कि वह नर्मदा तट की ओर गए हैं, जबकि अन्य का कहना है कि वह किसी शिष्य के यहां ठहरे हुए हैं। हालांकि सुबह से लेकर शाम तक उनके ठिकाने की कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हो सकी है। उत्तम स्वामी पर राजस्थान निवासी एक युवती ने दुष्कर्म के आरोप लगाए हैं। युवती ने 12 फरवरी को दिल्ली पुलिस कमिश्नर को ई-मेल भेजकर अपनी सुरक्षा की मांग की है। उसका कहना है कि एफआईआर दर्ज करवाने की भनक लगते ही उसे धमकियां मिलनी शुरू हो गईं। पीड़िता का आरोप है कि उत्तम स्वामी महाराज प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से संपर्क साधने की कोशिश कर रहे हैं। उनके करीबी लोग समझौते का दबाव बना रहे हैं। युवती ने ई-मेल में लिखा है कि उसके और उसके परिवार से जुड़ी बेहद निजी जानकारी कुछ लोगों के पास है, जिससे उसे किसी अनहोनी की आशंका है। 15 फरवरी तक चलने वाले इस आयोजन का अब सिर्फ एक दिन शेष है। लेकिन जिस कथावाचक के नाम पर आयोजन प्रचारित हुआ, वही अब मंच से नदारद है। कल भी उनसे संपर्क करने की कोशिश की गई थी, लेकिन वह नहीं मिले। आज सुबह से उनकी लोकेशन को लेकर किसी के पास स्पष्ट जानकारी नहीं है। अब उनकी जगह इस कथा का वाचन यज्ञ आचार्य तिवारी महाराज कर रहे हैं। इस पूरे घटनाक्रम ने जबलपुर में धार्मिक आयोजनों की पारदर्शिता और आयोजकों की जवाबदेही पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं।

आयोजकों की सफाई, लेकिन सवाल बरकरार

जब हमारी टीम आयोजन स्थल पहुंची तो आयोजकों की ओर से बताया गया कि महाराज का स्वास्थ्य ठीक नहीं है, इसलिए वह कथा वाचन नहीं कर पाए। कहा गया कि दोपहर 3:30 बजे तक कथा शुरू होगी। लेकिन 4:00 बजे तक इंतजार के बावजूद उत्तम स्वामी नहीं पहुंचे। अंतत: यज्ञ आचार्य तिवारी महाराज ने कथा का वाचन प्रारंभ किया। इससे आयोजकों की दलील पर भी सवाल खड़े हो गए हैं।

श्रद्धालुओं में चर्चा और असमंजस

श्रद्धालुओं से बातचीत में सामने आया कि पहले तीन दिन तक कथा सामान्य रूप से चली, लेकिन उसके बाद से उत्तम स्वामी मंच से दूर हैं। कई श्रद्धालु इस अचानक अनुपस्थिति को आरोपों से जोड़कर देख रहे हैं। आयोजन स्थल पर असमंजस और चर्चाओं का माहौल बना हुआ है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक : **अक्षय तिवारी** द्वारा मेसर्स डी.बी. कार्प लिमि. 44-45/ए, 50-51/ए, सेक्टर एफ इंडस्ट्रीयल एरिया, सांवेर रोड़, इंदौर (मप्र)- 452008 से मुद्रित एवं 5/6, नार्थ राजमोहल्ला (गुरूद्वारे के सामने), इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। **आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650**
सभी विवादों के लिए न्याय क्षेत्र केवल इंदौर रहेगा। समाचार पत्र में व्यक्तिगत नाम से प्रकाशित खबर एवं आलेख के लिए वे स्वयं जिम्मेदार होंगे।